mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-155 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
06 जून 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

एमपी-यूपी में तेज आंधी के सांथ बारिश, राजस्थान में ओले

● सड़कों पर पेड़ गिरे, कई जगह गाड़ियां दबीं ● आज 25 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के 11 राज्यों में गुरुवार को आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश के भोपाल में 70किमी. की रफ्तार से तूफान आया। इससे करीब 80 से ज्यादा पेड़ गिर गए। यूपी के भी 12 शहरों में बारिश हुई। नोएडा में तेज हवाओं से 400 पेड़ उखड़ गए। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में फ्लाईओवर निर्माण कार्य में लगी क्रेन कंटेनर पर पलट गई। इसमें 3 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं बिहार के भागलपुर में बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई।

राजस्थान के जयपुर में दिल्ली से 4 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं। श्रीगंगानगर में ओले गिरे। दिल्ली-एनसीआर में भी खराब मौसम के कारण 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। उम्मीद है कि यह अगले 3-4 दिन में कर्नाटक-तमिलनाडु के बाकी हिस्सों में आगे बढ़ जाएगा। इसके साथ ही इसके गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों तक पहुंचने के के भी हालात नजर आ रहे हैं। मानसून आमतौर पर 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद करीब डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। मानसून की वापसी आमतौर पर 17 सितंबर के आसपास राजस्थान से शुरू होती है और 15 अक्टूबर तक पूरी हो जाती है।

तीन दिन की देरी से केरलम में मानसून की दस्तक हुई... मानसून ने गुरुवार को देश में दस्तक दे दी है। इसके साथ ही चार महीने, यानी जून से सितंबर तक चलने वाले बारिश के मौसम की शुरुआत हो गई है, जिससे भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने की उम्मीद है। मानसून केरलम के साथ ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ हिस्सों तक भी पहुंच गया है।

टीसीएस केस की पीड़ित बोली: पाकिस्तानी मौलवियों के वीडियो दिखाए

» कहा- भजन सुनना और मंदिर जाना बंद करो, अल्लाह सारे गुनाह माफ कर देंगे

आरोपी बोला- डरो मत, भरोसा रखो, अल्लाह हमारे साथ है... पीड़ित ने अपने बयान में पुलिस को बताया कि आरोपियों ने 'मानसिक तनाव' कम करने के बहाने उसकी कमजोरी का फायदा उठाया। एक आरोपी दानिश शेख, जो पहले से शादीशुदा है, उसने शादी करने का झांसा देकर यौन शोषण किया।

नासिक,एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ऑफिस में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण मामले की चार्जशीट में नए खुलासे हुए हैं। चार्जशीट के मुताबिक आरोपियों ने सोची-समझी साजिश के तहत पीड़ितों को निशाना बनाया। एक पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसे पाकिस्तानी इस्लामिक मौलवी तारिक जमील और जाकिर नाइक के वीडियो दिखाए जाते थे।

पिछले हफ्ते नासिक की एक अदालत में पेश चार्जशीट के मुताबिक ये वीडियो पीड़ितों को इसलिए दिखाए गए, ताकि वे इस्लाम के बारे में जान सकें। आरोपियों ने पीड़ित से कहा कि वह भजन सुनना और मंदिर जाना बंद कर दे। अल्लाह सारे गुनाह माफ कर देंगे। नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में काम करने वाली 9 पीड़ित महिलाओं ने अप्रैल में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। अब तक 8 आरोपी पकड़े गए हैं।

जब पीड़ित को अपने भविष्य को लेकर डर सताने लगा, तो आरोपी ने कहा- डरो मत, भरोसा रखो, अल्लाह हमारे साथ है। भगवान के भजन सुनना और मंदिर जाना बंद कर दो। तनाव कम हो जाएगा। फिर उसने तस्बीह पढ़ने को कहा। पीड़ित के अनुसार, उसने (शेख ने) कहा, तुम जितना ज्यादा अल्लाह का नाम लोगी, तुम्हारे गुनाह माफ होते जाएंगे और तुम्हारे नेक काम बढ़ेंगे।

यू-ट्यूब पर जाकर पाकिस्तानी मौलवी के वीडियो दिखाए: पीड़ित के मुताबिक दानिश ने उसे पाकिस्तानी इस्लामी धर्मगुरु, उपदेशक और तबलीगी जमात के सदस्य तारिक जमील का वीडियो देखने और उनके भाषण सुनने को कहा। पीड़ित ने बताया कि दानिश ने उसके बैंक खातों और UPI PIN के बारे में पूरी जानकारी ले ली थी। उसे बैंक खाते में जमा पैसों के बारे में भी पता था।

सम्राट सरकार ने लालू-राबड़ी की ज़ेड प्लस सुरक्षा खत्म की

तेजप्रताप को मिलेगा अब एक बॉडीगार्ड

» बंगला विवाद के बीच घटी सिक्योरिटी

पटना,एजेंसी। सम्राट सरकार की तरफ से राबड़ी आवास को खाली करने का नोटिस दिया गया है। इस बीच लालू परिवार की सुरक्षा घटा दी गई है। RJD के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी और पूर्व सीएम राबड़ी देवी की जेड प्लस सिक्योरिटी खत्म कर दी गई है।

दोनों को अब बिहार पुलिस की विशेष सुरक्षा व्यवस्था दी गई है, जिसमें एस्कॉर्ट, बुलेट प्रूफ कार और 8 से 16 गार्ड शामिल हैं। लालू यादव के बेटे और जनशक्ति जनता दल (JJD) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव की भी ड्ड कैटेगरी की सुरक्षा खत्म कर दी गई है।

तेजस्वी की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं... बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री और बहन मीसा भारती की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेजस्वी पहले की तरह वाई प्लस श्रेणी की सिक्योरिटी (एस्कॉर्ट) के साथ मिलती रहेगी। हालांकि, उसमें अब बीसैप के 1-4 हाउस गार्ड, पटना जिला बल से 6 बॉडीगार्ड और एस्कॉर्ट पार्टी के सदस्य शामिल होंगे।

ट्रम्प बोले: भारत ने दशकों तक अमेरिका का फायदा उठाया

» अब हम टैरिफ से खूब कमा रहे, फिर भी डील करेंगे योंकि मुझे मोदी पसंद

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार को लेकर कहा कि लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है।

ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता भी हो सकता है क्योंति मैं मोदी को बहुत पसंद करता हूं। मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं।

ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका की एक टीम

हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुकी है। दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्द समाधान किया जा सके। भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो। यानी दोनों पक्ष अभी भी व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं भारत सरकार का कहना है कि अभी इस अतिरिक्त शुल्क को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अमेरिका पहले इस प्रस्ताव पर लोगों और संबंधित पक्षों की राय लेगा, उसके बाद ही अंतिम निर्णय करेगा।

अमेरिका अतिरिक्त शुल्क लगाने की तैयारी में... समझौतों को लेकर बातचीत के बीच एक नई मुश्किल भी खड़ी हो गई है। अमेरिका ने कुछ देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिका का कहना है कि ये देश जबरन मजदूरी से जुड़े मामलों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। इस प्रस्तावित सूची में भारत का नाम भी शामिल है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो अमेरिका में जाने वाले भारतीय सामान पर 12.5% अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे हो सकते हैं और निर्यातकों पर असर पड़ सकता है।

पुतिन बोले- अमेरिका का मोदी पर दबाव डालना बेकार

» भारत महान देश और हमारा भरोसेमंद सहयोगी, US से नजदीकी का हमारी पार्टनरशिप पर असर नहीं।

सेंट पीटर्सबर्ग,एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि अमेरिका भारत पर रूस के साथ उसके रिश्ते सहित कई मुद्दों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इस तरह की कोशिशें बेकार हैं। भारत इसका विरोध करेगा।

पुतिन ने PTI समेत दुनिया की प्रमुख न्यूज एजेंसियों के हेड से बातचीत के दौरान भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा- भारत एक महान देश और लोकतंत्र है। रूस उसे अपना भरोसेमंद पार्टनर मानता है।

रूसी राष्ट्रपति ने आगे कहा- भारत अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है। अमेरिका से उसके बढ़ते संबंधों से भारत-रूस की पार्टनरशिप पर कोई असर नहीं पड़ेगा। रूस के साथ उसके रिश्ते पहले की तरह मजबूत रहेंगे।

पुतिन बोले- भारत-रूस के बीच व्यापार 100 अरब डॉलर पहुंचेगा: पुतिन ने कहा- हमें खुशी है कि भारत उन सभी देशों के साथ संबंध बढ़ा रहा है, जिन्हें वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए जरूरी मानता है। पुतिन ने भरोसा जताया कि आने वाले सालों में भारत और रूस के बीच व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

3 दिन पुरानी शिवकुमार कैबिनेट से मंत्री का इस्तीफा

पसंदीदा विभाग न मिलने से नाराज थे

» कर्नाटक सीएम बोले- चिंता की बात नहीं, मामला सुलझा लेंगे

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक में 3 दिन पुरानी डीके शिवकुमार सरकार से मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। वे पंसदीदा मंत्रालय न मिलने से नाराज थे। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने एक दिन पहले ही विभाग बांटे थे। रेड्डी बेंगलुरु विकास विभाग चाहते थे, लेकिन उन्हें जल संसाधन विभाग दे दिया गया था। रेड्डी ने मीडिया से कहा, 'मैं अभी भी कांग्रेस में हूं, पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया है। पिछले 53 सालों में कई जिम्मेदारियां निभाई हैं। मैंने कई मुख्यमंत्रियों की कैबिनेट में मंत्री के तौर पर काम किया है। कभी किसी से मंत्री पद नहीं मांगा।'

बेंगलुरु विकास विभाग, राज्य की राजधानी में योजना और बुनियादी ढांचे से जुड़ा है। गुरुवार रात ही 13 मंत्रियों में

विभागों को बंटवारा किया। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक को गृह मंत्रालय दिया गया है। शिवकुमार ने वित्त, कैबिनेट अफेयर्स, कार्मिक-प्रशासनिक सुधार, इंटेलीजेंस समेत कई विभाग अपने पास रखे हैं।

हालांकि मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा- 'रामलिंगा की चिंता है कि वे ऐसे विभाग में काम नहीं कर पाएंगे जिसमें बहुत ट्रैवल करना पड़ता हो। वे कोई दूसरा पोर्टफोलियो चाहते हैं। मैं उनसे इस मामले को बात करके सुलझा लूंगा। चिंता की कोई बात नहीं है। '

रेड्डी बोले- किसी से नाराज नहीं, पद छोड़ा है पार्टी नहीं... बीटीएम लेआउट से विधायक 72 साल के रामलिंगा रेड्डी सिद्धारमैया सरकार में परिवहन और हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री थे। वे पहले की सरकारों में गृह मंत्रालय भी संभाल चुके हैं।

इस्तीफे पर ऑन कैमरा साइन करते हुए उन्होंने कहा- वह विधायक बने रहेंगे। वे शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दोनों से ही नाराज नहीं हैं।

रेड्डी ने यह भी कहा कि वह अपना इस्तीफा व्यक्तिगत रूप से नहीं सौंपेंगे, बल्कि इसे एक समर्थक के जरिए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को भेजेंगे।

पहली कैबिनेट मीटिंग से बाहर चले गए थे रेड्डी: न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक विभाग तय करने के लिए गुरुवार को हुई पहली कैबिनेट मीटिंग से रेड्डी बाहर चले गए थे।

असम में विदेशी घोषित दो महिलाओं के निर्वासन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, केंद्र से

नई दिल्ली,एजेंसी। असम में विदेशी घोषित की गई दो महिलाओं के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश दिया है। अदालत ने सालेहा खातून और सरभानु बेगम के निर्वासन पर फिलहाल रोक लगा दी है। ये दोनों महिलाएं मार्च 2026 से गोलपाड़ा डिटेंशन सेंटर में बंद हैं। फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने इन्हें विदेशी नागरिक घोषित किया था, जिसके बाद इनके निर्वासन की तैयारी थी। इस मामले में अब केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई तक इनके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी मोहना ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने सालेहा खातून और सरभानु बेगम के साथ कुल चार महिलाओं की याचिकाओं पर संज्ञान लिया है। इन सभी महिलाओं को फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने विदेशी घोषित कर दिया था। अब उच्चतम न्यायालय ने इस पूरे मामले पर केंद्र सरकार से उनका पक्ष मांगा है।

केंद्र सरकार को जारी हुआ नोटिस... सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर इस संवेदनशील मुद्दे पर जवाब दाखिल करने को कहा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से दी गई दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने केंद्र को अपनी स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यदि सालेहा खातून और सरभानु बेगम अभी हिरासत में रहती हैं।

क्या है मामला? यह पूरा मामला असम के फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल के उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें इन महिलाओं को भारतीय नागरिक न मानकर विदेशी घोषित किया गया था।

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर का यू-टर्न

समर्थकों से दिल्ली एयरपोर्ट नहीं आने की अपील की; 6 जून को अपने भारत लौटने पर बुलाया था

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दिपके ने 6 जून को भारत लौटने से पहले अपने पुरानी अपील से यू-टर्न ले लिया है। उन्होंने 4 जून को रात 10 बजे सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी कर समर्थकों से दिल्ली एयरपोर्ट पर न आने की अपील की है। कुछ दिन पहले उन्होंने खुद समर्थकों से एयरपोर्ट पहुंचने का आह्वान किया था। अब उन्होंने कहा है कि उम्मीद से ज्यादा समर्थन मिलने के कारण बड़ी भीड़ जुट सकती है, जिससे आम लोगों और सुरक्षा व्यवस्था को परेशानी हो सकती है। अभिजीत ने कहा- मैं एयरपोर्ट से पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की इजाजत लूंगा। आप सब लोग वहीं आइए। एयरपोर्ट पर भीड़ जमा करने की जरूरत नहीं है। हमें जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना होगा।

इंदौर में शोरूम में आग, बिल्डिंग में 20 लोग फंसे

पड़ोसियों ने छत से सीढ़ियां जोड़कर रास्ता बनाया, रस्सी के सहारे निकाला

इंदौर,एजेंसी। इंदौर में इलेक्ट्रिक वाहनों के शोरूम में आग लग गई। बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले 6 परिवारों के 20 लोग फंस गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने पड़ोसियों की मदद से सीढ़ियों और रस्सियों के सहारे उनको बाहर निकाला। हादसा लसूड़िया इलाके में खालसा चौक के पास शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को इसकी वजह माना जा रहा है।

आग में फंसे लोगों को छत पर आने के लिए कहा: बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर बने फ्लैट्स में लोग सो रहे थे। धुआं भरने पर सांस लेने में तकलीफ हुई तो उनकी नींद खुली। उन्होंने नीचे देखा तो शोरूम से लपटें उठ रही थीं। इसी के बगल में सीढ़ियां बनी हैं, जिनके लपटों में घिर जाने के कारण ऊपर की मंजिलों से लोग नीचे नहीं सके। चीख-पुकार सुनकर पड़ोस की मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में रहने वाले लोग बाहर आए। उन्होंने सीढ़ियों और रस्सियों का इंतजाम किया। आग में फंसे लोगों को छत पर आने के लिए कहा। लोगों ने दोनों छतों के बीच सीढ़ियां जोड़कर रास्ता बनाया। खिड़कियों और एंगल से रस्सियां बांधकर दूसरी तरफ फेंकी। आग में फंसे कुछ लोग इन सीढ़ियों से दूसरी बिल्डिंग की छत पर पहुंचे। कुछ लोग रस्सियों के सहारे नीचे उतरे। राहत की बात यह रही कि आग किसी भी फ्लैट तक नहीं पहुंची, जिससे घरेलू सामान सुरक्षित बच गया। हालांकि, शोरूम में रखे सभी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन जल गए।

दिल्ली होटल आग: गले लगे मिले कपल के शव, इलाज के लिए रुके थे

» मारी गई लाइबेरियाई महिला की पहचान हुई, पति अस्पताल में

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में 3 जून को लगी आग में जान गंवाने वाले 21 लोगों में एक अफ्रीकी कपल भी शामिल था। बचाव दल को उनके शव बाथरूम में मिले, जहां दोनों एक-दूसरे को गले लगाए हुए थे।

महिला टॉयलेट सीट पर बैठी थी, जबकि उसका पति पास रखी कुर्सी पर बैठा था। दोनों ने एक-दूसरे को कसकर पकड़ रखा था और महिला का सिर पति के कंधे पर टिका हुआ था। दोनों की दम घुटने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार इस कपल को बच्चा चाहिए था। यह पास के अस्पताल से टेस्ट ट्यूब बेबी की प्रोसेस करवाने के लिए फ्लरिश स्टे होटल में रुका था।

आग में जान गंवाने वाली 61 साल की लाइबेरियाई महिला जेनजे एन. रोलैंड के शव की पहचान भी कर ली गई है। महिला के बीमार पति पहले से मैक्स अस्पताल में भर्ती थे।

एक रिश्तेदार ने AIIMS मोर्चुरी पहुंचकर महिला के शव की पहचान की।

संघ प्रमुख बोले- दुनिया भारत की ओर नई दिशा की उमीद से देख रही है

हमें हर स्तर पर मजबूत बनाना होगा

नागपुर,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि दुनिया के पास ऐसा कोई मार्गदर्शक सिद्धांत नहीं है जो मानव जीवन के विभिन्न आयामों में एक साथ प्रगति सुनिश्चित कर सके। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रणालियाँ व्यक्तिगत कल्याण, सामाजिक हितों और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने को लेकर भ्रमित हैं। नागपुर में स्वयंसेवक प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बोलते हुए भागवत ने गुरुवार को कहा कि भारत दुनिया को ऐसे समग्र समाधान दे सकता है जो संघर्षों और संकटों से जूझ रही है, लेकिन जो चीज हमें 'विश्वगुरु' बनने से रोक रही है, वह है तैयारी की कमी।

आंधी, बारिश और ओले तीन दिन मौसम मचाएगा तूफान

लखनऊ, नई दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए राहत अपने साथ कुछ मुसीबतें भी लेकर आई है। 4 जून को केरल में मानसून की एंट्री के साथ ही देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया है। बीते दिन दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में आई तेज आंधी और बारिश ने जहां तापमान में भारी गिरावट ला दी, वहीं पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से जलभराव और नुकसान जैसी परेशानियां भी देखने को मिलीं। मौसम विभाग की मानें तो आज यानी 5 जून को भी मौसम का यह रौद्र रूप जारी रहेगा। आइए आसान भाषा में जानते हैं कि आज आपके राज्य और शहर में मौसम कैसा रहने वाला है।

किन राज्यों में तूफान और बारिश की चेतावनी: मौसम विभाग ने आज देश के 19 राज्यों में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर भारत में तो अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भी आज मौसम खराब रह सकता है। देश के 19 राज्यों दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और असम में झामाझम बारिश की अलर्ट जारी की गई हैं।

दिल्ली-NCR में कैसा रहेगा मौसम: दिल्ली और एनसीआर के लोगों को आज भी गर्मी से राहत मिलेगी। आसमान में दिनभर बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, दोपहर तक 60 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ-साथ बारिश और बिजली कड़कने के आसार हैं। यह सुहाना मौसम 6 जून को भी बना रह सकता है। आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट: यूपी में आज मौसम काफी आक्रामक रह सकता है। राज्य के 38 जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। यूपी के 21 जिले प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, झांसी, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर और आस-पास के इलाके ऑरेंज अलर्ट । येलो अलर्ट (17 जिले): कानपुर नगर, कानपुर देहात, रायबरेली, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, अमेठी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी, औरैया और बिजनौर।

बिहार और झारखंड का हाल: बिहार और पड़ोसी राज्य झारखंड में भी तूफानी हवाओं के साथ बारिश की पूरी संभावना है। कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। झारखंड के रांची, धनबाद, बोकारो, जामताड़ा, दुमका, साहेबगंज, गिरिडीह, सरायकेला और पलामू जैसे इलाकों में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और तेज बारिश का अनुमान है।

मध्य प्रदेश में 5 दिनों तक ओलावृष्टि के आसार: मध्य प्रदेश वालों को भी अभी संभलकर रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक राज्य में बारिश, आंधी और ओले गिरने का दौर जारी रहेगा। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रति घंटा रह सकती है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम को देखते हुए बेवजह घरों से बाहर न निकलें।

पहाड़ों पर कैसा रहेगा मौसम: पहाड़ी इलाकों में भी मौसम ने करवट ली है। 5 और 6 जून को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज बारिश और आंधी की चेतावनी दी गई है। उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत, चमोली और रुद्रप्रयाग में अलर्ट है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के शिमला, मंडी, कांगड़ा, चंबा, सोलन, लाहौल और स्पीति में भी तूफानी हवाओं के साथ झमाझम बारिश हो सकती है।

कर्नाटक में डीके शिवकुमार की सरकार बनते ही कलह, विभाग बंटवारे से नाराज मंत्री रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में विभागों के आवंटन से नाराज होकर राज्य सरकार के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कैबिनेट से अपना इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। रामलिंगा रेड्डी का कहना है कि सरकार गठन और विभागों के बंटवारे के समय उनसे बेंगलुरु विकास विभाग सौंपने का वादा किया गया था। यह जिम्मेदारी न मिलने के कारण वे अपनी ही सरकार के फैसले से नाखुश थे, जिसके चलते उन्होंने कैबिनेट छोड़ने का यह बड़ा कदम उठाया।

कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा नहीं देंगे: रेड्डी: बेंगलुरु में अपने फैसले की जानकारी देते हुए और अपना रुख स्पष्ट करते हुए रेड्डी ने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा के खिलाफ जाकर काम नहीं कर सकता। यही कारण है कि मैं मंत्री पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बावजूद रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि वे कांग्रेस पार्टी का साथ नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे विधायक के रूप में अपने क्षेत्र और जनता के लिए काम करना जारी रखेंगे और कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा नहीं देंगे।

राज मंत्री को मनाने की आखिरी कोशिश नाकाम: यह इस्तीफा मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा गुरुवार रात विभागों के बंटवारे के बाद आया है। यह शिवकुमार सरकार के लिए एक बड़ा झटका था।

ग्रेटर नोएडा की सोसायटियों में अब अनिवार्य होंगे सोलर प्लांट, पीएम सूर्यघर योजना से मिलेगी सब्सिडी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। अब हाइराइज सोसायटियों में भी बिजली का खर्च सूरज उठाएगा। शासन ने पांच हजार वर्गमीटर से बड़े सभी भवनों में सोलर प्लांट लगाना जरूरी कर दिया है। नए नियम के बाद सेक्टर व सोसायटियों में आरडब्ल्यूए व एओए के साथ ऊंची इमारतों, दफ्तरों और माल की छतों पर सोलर पैनल लगेंगे। यूपी नेडा के अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत सरकार अब सेक्टर व सोसायटियों में भी सब्सिडी देगा। 500 किलोवाट तक के प्लांट पर 18 हजार रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से पैसा मिलेगा। पांच हजार वर्ग मीटर भूखंड में बनी सोसायटी में 500 किलोवाट सोलर प्लांट लगवाने पर 90 लाख रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। सोलर से उत्पन्न बिजली का उपयोग सोसायटियों के सार्वजनिक स्थानों के लिए किया जाएगा। इससे सोसायटी की स्ट्रीट लाइट, पानी के पंप, आफिस, ईवी चार्जिंग स्टेशन आदि शामिल होंगे। इससे निवासियों का न केवल बिजली का बिल घटेगा बल्कि मेंटेनेंस शुल्क में भी राहत मिलेगी। 500 किलोवाट का प्लांट रोज 2000 यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा। साल में करीब 60 लाख रुपये की बचत होने का अनुमान है। बता दें कि दैनिक जागरण ने 11 मई के संस्करण में सोलर पैनल लगाने को हाइराइज सोसायटी निवासियों की राह में रोड़ा बना पीएम सूर्य घर योजना का नियम खबर प्रकाशन कर हाइराइज सोसायटियों के लिए अलग पालिसी बनाए जाने का विचार सुझाया था। जिसमें एओए या आरडब्ल्यूए के जरिए पूरी सोसायटी के लिए कामन सोलर प्लांट लगाने की मंजूरी व बिजली का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र में लाइन व्यवस्था, लिफ्ट संचालन या पंप आदि के इस्तेमाल के लिए करने का सुझाव दिया गया था। खबर का संज्ञान लेते हुए शासन ने मंजूरी दे दी है। अब नए नक्शे पास कराने के लिए सोलर प्लान जरूरी होगा। पुरानी सोसाइटियों को दो साल का समय मिला है। यूपी नेडा सेक्टर व सोसायटियों में जागरूकता शिविर लगाकर इसकी जानकारी भी देगा। बैंक लोन और तकनीकी मदद के लिए हेल्पडेस्क भी बनेगी। सोसायटी के लोगों ने नए नियम को स्वागत योग्य बताया है।

फरीदाबाद हादसा आंधी-बारिश से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे थे श्रमिक, हादसे से तुरंत पहले क्या हुआ था

फरीदाबाद, एजेंसी। आंधी और वर्षा से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे श्रमिकों को अंदाजा नहीं था कि क्रेन फिसलकर इतनी दूर आ जाएगी। वे खुद को सुरक्षित करने के लिए ही उसमें घुसे थे। उनका यही कदम जानलेवा साबित हुआ। क्रेन पोर्टा केबिन से करीब 200 मीटर की दूरी पर पटरी पर खड़ी थी। वर्षा के कारण पटरी पर कीचड़ और फिसलन हो गई। आंधी से क्रेन पोर्टा केबिन की ओर फिसलने लगी और पास जाकर ठीक उसके ऊपर पलट गई। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों में चीख-पुकार मच गई। श्रमिक इधर-उधर भागने लगे। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थोड़ी देर में ही आग की तरह फैल गई। कुछ देर में ही प्रशासनिक हमला मौके पर पहुंच गया। मौके पर काफी संख्या में भीड़ भी जमा हो गई। बचाव दल ने बताया कि फिसलन, कीचड़, अंधेरे और मौके पर जमा भीड़ के कारण बचाव कार्य में परेशानी आई। पुलिस ने पूरे घटनास्थल को चार जोन में बांटकर बचाव कार्य शुरू किया। कटर से पोर्टा केबिन को काटा गया। पहले जो श्रमिक बाहर आया, वह सुरक्षित था, इससे सभी को लगा कि बाकी श्रमिक भी सुरक्षित होंगे। क्रेन के नीचे खिसकने का डर लगातार बना हुआ था। इसलिए पोर्टा केबिन को काटने के बाद कांटा श्रमिकों के कपड़ों में फंसाकर उन्हें बाहर खींचा गया।

दिल्ली में टाटा कम्युनिकेशंस में लगी आग, तीसरी मंजिल के बैट्री रूम में भड़की आग बुझाने में दो दमकलकर्मी झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 स्थित टाटा कम्युनिकेशंस के कार्यालय में शुक्रवार तड़के आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग भवन की तीसरी मंजिल पर बने बैट्री रूम में लगी थी, जिससे करीब 200 वर्ग फुट क्षेत्र प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समाचार लिखे जाने तक कूलिंग का कार्य जारी था। दमकल विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना रात 2:47 बजे प्राप्त हुई। घटना नॉर्थ प्लेस फायर स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में ग्रेटर कैलाश-1 में सावित्री सिनेमा के सामने स्थित टाटा कम्युनिकेशंस कार्यालय में हुई। प्रारंभिक रूप से तीन वाटर टेंडर, दो वाटर बाउजर, एक क्यूआरवी, एक मोटर पंप और एक ब्रीदिंग सेट यूनिट को मौके पर भेजा गया। आग की गंभीरता को देखते हुए सुबह तीन बजे 'मेक-4' घोषित किया गया, जिसके बाद कुल 10 दमकल इकाइयों को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया। बाद में 3:25 बजे अतिरिक्त पानी की आवश्यकता को देखते हुए एक एडवांस वाटर टेंडर भी मौके पर भेजा गया। इमारत ग्राउंड प्लस पांच मंजिला है। आग पर काबू पाने के दौरान मथुरा रोड फायर स्टेशन के दो दमकलकर्मी फायर ऑपरेटर संदीप और सुरेश के हाथ झुलस गए। दोनों को तत्काल उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में बैट्री रूम से आग शुरू होने की बात सामने आई है। किसी अन्य के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अरुणाचल प्रदेश ईटानगर में अवैध बस्तियों के खिलाफ सरकार का एक्शन, 15 मस्जिदें सील

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने ईटानगर राजधानी क्षेत्र में बिना अनुमति के बने मस्जिदों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय आदिवासी समूहों द्वारा अवैध बस्तियों और आबादी के संतुलन में बदलाव पर चिंता जताए जाने के बाद, प्रशासन ने पहचान की गई सभी 15 मस्जिदों को सील कर दिया है।यह कदम अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गनाइजेशन के बढ़ते दबाव के बाद उठाया गया है।

यह संगठन अवैध कब्जों और बिना अनुमति के बने धार्मिक ढांचों के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस संगठन ने पहले राजधानी क्षेत्र में 24 घंटे का बंद भी आयोजित किया था, और चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे आगे भी विरोध प्रदर्शन करेंगे। गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री पी.डी. सोना ने बताया कि यह मुद्दा पहली बार इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री पेमा

खांडू और प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के दौरान सरकार के संज्ञान में आया था। इस बैठक के बाद, सरकार ने जिला अधिकारियों को उन ढांचों की पहचान करने का निर्देश दिया जो कथित तौर पर आवश्यक अनुमति के बिना बनाए गए थे। एक आधिकारिक सर्वेक्षण के बाद राजधानी परिसर क्षेत्र के भीतर 15 अनधिकृत मस्जिद ढांचों की पहचान की गई थी।

कानूनी प्रक्रिया के तहत सील किए गए ढांचे: पीडी सोना के अनुसार, जिला अधिकारियों ने चिन्हित ढांचों में से 12 को सील या खाली कराने से पहले सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की थीं। वहीं, शेष तीन मामलों की समीक्षा 1 जून को मुख्यमंत्री और नेताओं के बीच हुई एक और बैठक के दौरान की गई, जिसके बाद उन तीन स्थलों पर भी कार्रवाई पूरी की गई। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि जिन चिंताओं के कारण बंद का प्रस्ताव रखा गया था, उन्हें कानूनी और प्रशासनिक उपायों के माध्यम से पहले ही सुलझा लिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगठन जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किसी भी आगामी बंद के आह्वान पर पुनर्विचार करेगा।

असुरक्षित सीमाओं की चुनौती: इस मामले ने अरुणाचल प्रदेश में अवैध अप्रवासन, जनसांख्यिकीय बदलाव और स्वदेशी आदिवासी समुदायों के संरक्षण को लेकर एक व्यापक बहस को जन्म दे दिया है। राज्य के अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है कि अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का असुरक्षित होना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसके लिए निरंतर और कड़ी निगरानी की आवश्यकता है। यह विवाद मई में मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा बुलाई गई एक उच्च स्तरीय परामर्श बैठक के बाद और गहराया है। उस बैठक में छात्र संगठनों, आदिवासी निकायों, नागरिक समाज समूहों, कानूनी विशेषज्ञों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने स्वदेशी अधिकारों, जनसांख्यिकीय चिंताओं और इनर लाइन परमिट प्रणाली के नियमन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की थी।

स्थानीय हितों की रक्षा: बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने अवैध अप्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की चिंताओं को दूर करते हुए स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई थी। उन्होंने उल्लेख किया कि ऐसी चुनौतियां केवल अरुणाचल प्रदेश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह सीमा प्रबंधन, सांस्कृतिक संरक्षण और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी व्यापक राष्ट्रीय चिंताओं को दर्शाती हैं। राज्य सरकार ने हितधारकों द्वारा उठाई गई कई प्रमुख मांगों को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

हमको ताकत के साथ दुश्मन की साजिश नाकाम करनी होगी

यूएस से तनाव के बीच सामने आया खामेनेई का संदेश

तेहरान, एजेंसी। इस्लामी क्रांति के सर्वोच्च नेता, मोजतबा खामेनेई के नाम से एक संदेश इमाम खुमैनी के 37वें पुण्यतिथि समारोह के दौरान उनके मकबरे पर पढ़ा गया। यह जानकारी तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार है। तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, संदेश के माध्यम से सर्वोच्च नेता ने कहा, 'सभी को दृढ़ता, दूरदर्शिता, एकता और आपसी विश्वास को बनाए रखते हुए और शत्रु की बातों का समर्थन न करते हुए शत्रु की साजिश को विफल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'खुर्दाद के चौदहवें दिन के शहीद नेता ने इसे इमाम खुमैनी (आरए) के साथ राष्ट्र की प्रतिज्ञा के लिए एक वार्षिक अवसर में बदल दिया है।'

संदेश में ईरान के क्रांतिकारी नेतृत्व के साथ वैचारिक निरंतरता पर और जोर दिया गया। उन्होंने कहा, ' ईरानी राष्ट्र, अपने नए मिशन के साथ, प्रतिरोध मोर्चे के साथ-साथ स्वतंत्र राष्ट्रों के लिए गौरव का स्रोत बन गया है।'

इस्राइल अपने अंतिम चरण में पहुंचा: इस संदेश में इस्राइल के साथ क्षेत्रीय भू-राजनीतिक तनावों का भी साफ जिक्र किया गया था। इसमें कहा गया था, 'अस्थिर जायोनी शासन और इस्राइल का घातक ट्यूमर अपने भयावह जीवनकाल के अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं।

ईश्वर की कृपा से और दस वर्ष पूर्व शहीद नेता के दृढ़ और दूरदर्शी शब्दों के अनुसार, ईश्वर की इच्छा से वह उस तिथि के बाद 25 वर्ष नहीं देख पाएंगे।' इमाम खुमैनी के मकबरे पर आयोजित समारोह के दौरान, वार्षिक कार्यक्रम के लिए एकत्रित अधिकारियों और प्रतिभागियों की उपस्थिति में यह संदेश पढ़ा गया।

पूर्व एमआई-6 प्रमुख एलेस यंगर का 62 वर्ष की उम्र में निधन

प्रिंस विलियम और पीएम स्टार्मर ने दी श्रद्धांजलि

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की विदेशी खुफिया एजेंसी के पूर्व प्रमुख एलेक्स यंगर का 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सरकार के अनुसार, वह कैंसर से पीड़ित थे और मंगलवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर ब्रिटेन के शाही परिवार, सरकार और सुरक्षा समुदाय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और प्रिंस विलियम ने यंगर को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी सार्वजनिक सेवा और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति समर्पण को याद किया। स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज

विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले एलेक्स यंगर ने पहले ब्रिटिश सेना में अधिकारी के रूप में सेवा दी। इसके बाद उन्होंने 1991 में MI6 जॉइन किया और लगभग 30 वर्षों तक खुफिया सेवा में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। उन्होंने पश्चिमी बाल्कन, अफगानिस्तान और आतंकवाद-रोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाई। 2012 के लंदन ओलंपिक की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी भी उनके नेतृत्व में की गई थी। यंगर ने 2014 से 2020 तक का नेतृत्व किया। वह उन शुरुआती प्रमुखों में शामिल थे जिनकी पहचान सार्वजनिक रूप से उजागर की गई थी। प्रमुख को परंपरागत रूप से 'CO कोडनेम से जाना जाता है। उनके कार्यकाल के दौरान वैश्विक आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और रूस जैसे देशों से जुड़े सुरक्षा मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया।

प्रिंस विलियम ने की सराहना: प्रिंस विलियम ने कहा कि एलेक्स यंगर ने उन मूल्यों का प्रतिनिधित्व किया, जिनके लिए ब्रिटेन की सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस जानी जाती है। उन्होंने कहा कि यंगर ईमानदारी, साहस और देश की सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक थे।

भारत को मिला रूस से बड़ा ऑफर

पुतिन बोले- एसयू-57 लड़ाकू विमान कार्यक्रम पर साथ काम करने को तैयार

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को लेकर बड़ा रक्षा प्रस्ताव दिया है। सेंट पीटर्सबर्ग में वैश्विक समाचार एजेंसियों के प्रमुखों से बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ सुखोई एसयू-57 विमान कार्यक्रम पर मिलकर काम करने को तैयार है। उन्होंने एसयू-57 को दुनिया का सबसे बेहतरीन लड़ाकू विमान बताया और कहा कि रूस को भारत के साथ तकनीक साझा करने में कोई दिक्कत या सीमा नहीं है। इस बयान को भारत-रूस रक्षा संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस ने भारत को पांचवीं पीढ़ी की तकनीक पर साथ काम करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि एसयू-57 विमान संयुक्त परियोजना भी बन सकता था। हालांकि रूस ने इसे खुद विकसित किया, लेकिन अब भी भारत के साथ इस कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ एयर डिफेंस सिस्टम पर भी काम करना चाहता है। उनके बयान से साफ संकेत मिला कि मॉस्को भारत को रक्षा क्षेत्र में बड़ा साझेदार मानता है।

भारत ने पहले क्यों बनाई थी दूरी: भारत की पुरानी स्थिति का भी जिक्र सामने आया। भारत ने साल 2018 में एसयू-57 परियोजना से दूरी बना ली थी। भारतीय वायुसेना का मानना था कि यह विमान उसकी जरूरतों के मुताबिक पूरी तरह फिट नहीं बैठता। हालांकि अब फिर से इस विमान को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि भारत 40 से 50 एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार कर रहा है। हालांकि इस पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

क्या रूस तकनीक साझा करने को भी तैयार है: रूस की ओर से तकनीकी सहयोग की बात सामने आई। रूसी अधिकारियों ने कहा कि भारत की सभी मांगें स्वीकार करने योग्य हैं। रूस एसयू-57 का सोर्स कोड साझा करने और भारत में इसके निर्माण के लिए तकनीक हस्तांतरण को भी तैयार बताया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल को भारत में एसयू-57 निर्माण में शामिल किया जा सकता है। रूस इस परियोजना में निवेश की संभावनाओं का भी अध्ययन कर रहा है।

भारत-रूस रक्षा रिश्तों का क्या है महत्व:

रूस की सरकारी रक्षा कंपनी रोस्टेक के सीईओ सर्गेई चेमेजोव ने कहा कि भारत और रूस कई वर्षों से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भारत पर प्रतिबंध लगे थे तब भी रूस ने उसकी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए हथियारों की आपूर्ति जारी रखी थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रूस आगे भी भारत को उसकी जरूरत के अनुसार रक्षा उपकरण उपलब्ध कराता रहेगा। इस बयान को दोनों देशों के मजबूत रक्षा सहयोग का संकेत माना जा रहा है।

क्या है ओरेशनिक मिसाइल को लेकर रूस का दावा:

पुतिन ने ओरेशनिक मिसाइल को लेकर भी बड़ा खुलासा किया। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रमुखों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि रूस ने अभी तक युद्ध के मैदान में ओरेशनिक मिसाइल का इस्तेमाल नहीं किया है। इस बयान के बाद दुनिया भर में रूस की सैन्य रणनीति और आधुनिक हथियारों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पुतिन के इस बयान को रूस की सैन्य शक्ति के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रकृति का संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करेगा: विधायक

विश्व पर्यावरण दिवस पर मौहरिया कला में पौधारोपण श्रमदान, वृक्ष पूजन एवं सम्मान समारोह आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम मौहरिया कला में विधायक सीधी रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को समर्पित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संचालित ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत छात्रावास परिसर में पौधारोपण किया गया इसके साथ ही सूखा नदी में श्रमदान, वृक्ष पूजन, स्वच्छता अभियान तथा जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रीती पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दे रहा है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में जल, जंगल

और जमीन के संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है विधायक पाठक ने कहा कि धरती हमारी मां है इस पर जितना अधिकार हमारा है उतना ही अधिकार पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं का भी है प्रकृति और मानव का संबंध सह-अस्तित्व का है इसलिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग संतुलित एवं जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति, वृक्षों तथा जीव-जंतुओं का पूजन किया जाता है यही परंपराएं हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण का संदेश देती हैं उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे हमें शुद्ध वायु, औषधियां, फल, फूल, ईंधन, आवास और आजीविका प्रदान करते हैं यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी तो मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में प्रकृति हमें चेतावनी दे रही है। ऐसे समय में हमें प्रकृति के अंधाधुंध दोहन को रोककर उसके संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि प्रकृति में स्वयं को पुनर्जीवित करने की अद्भुत क्षमता है आवश्यकता केवल उसे सुरक्षित रखने की है विधायक पाठक ने जल संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि नदियों तालाबों और अन्य जल स्रोतों को प्रदूषित नहीं होने देना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति सप्ताह में कम से कम एक दिन अपने आसपास के जल स्रोतों की सफाई के लिए समर्पित करे उन्होंने कहा कि अपने घर गांव शहर और देश को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर भविष्य देना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने लगाए गए पौधों का संरक्षण करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने का आह्वान किया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं उन्होंने संसाधनों के समुचित उपयोग पर बल देते हुए कहा कि किसी भी वस्तु को व्यर्थ न जाने दें जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों को पौधारोपण से जोड़ें तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचें उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया गया आयुष विभाग द्वारा योग प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी गई वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा कुपोषण की रोकथाम संबंधी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर हितग्राहियों को जागरूक किया गया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु प्रतिभाशाली बच्चों के नामांकन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है वर्ष 2026 के लिए ऐसे बच्चों के नामांकन आमंत्रित किए गए हैं जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं बताया गया है कि 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे। विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कमजोर वर्गों एवं दिव्यांग बच्चों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को प्राथमिकता के साथ चिन्हित किए जाने पर जोर दिया गया है जिला परियोजना समन्वयक ने कहा कि जिले में ऐसे प्रतिभाशाली एवं प्रेरणादायी बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन के लिए विद्यालयों शिक्षा अधिकारियों एवं संबंधित संस्थाओं के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है ऐसे बच्चों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए नामांकन प्रक्रिया को गंभीरता से पूरा किया जाना चाहिए भारत सरकार के पोर्टल पर नामांकन की सुविधा 1 अप्रैल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस संबंध में जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्रोत समन्वयकों तथा शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को निर्देश जारी किए गए हैं निर्देशानुसार पात्र बच्चों के नामांकन प्रस्ताव उनके कार्यों के विस्तृत विवरण, उपलब्धियों से संबंधित अभिलेख, फोटोग्राफ एवं वीडियो सहित जिला शिक्षा केन्द्र को भेजे जाएंगे। प्रत्येक विकासखंड स्रोत समन्वयक को अपने-अपने विकासखंड में ऐसे बच्चों की पहचान कर न्यूनतम पांच-पांच प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए गए हैं जिला शिक्षा केन्द्र ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रमुखों से कहा है कि पात्र बच्चों के प्रस्ताव संपूर्ण जानकारी सहित 20 जुलाई 2026 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि निर्धारित समयावधि में उनका नामांकन भारत सरकार के पोर्टल पर किया जा सके।

फूलों, पत्तियों और टहनियों से सजी रंगोलियों ने बिखेरा पर्यावरण संरक्षण का संदेश विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूली विद्यार्थियों की रचनात्मकता ने किया सभी को मंत्रमुग्ध

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीधी शहर हरित चेतना और पर्यावरणीय संदेशों के रंगों से सराबोर नजर आया पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इको-फ्रेंडली रंगोली प्रतियोगिता में विद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए फूलों, पत्तियों, टहनियों एवं अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से आकर्षक और संदेशपरक रंगोलियों का निर्माण किया प्रतियोगिता के लिए जिला पंचायत सर्किट हाउस नगर पालिका परिषद सीधी, न्यू बस स्टैंड, पूजा पार्क, मानस भवन, फूलमती मंदिर, गांधी चौक पार्किंग तथा कलेक्ट्रेट परिसर सहित शहर

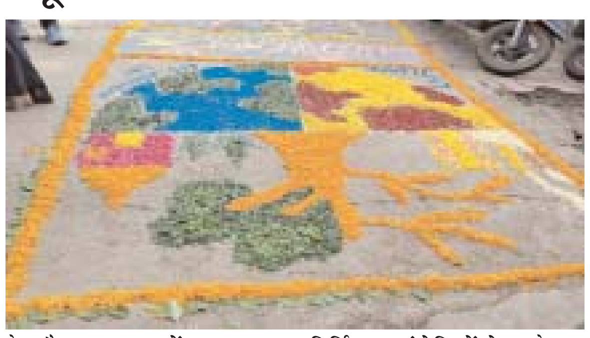

के नौ प्रमुख स्थलों का चयन किया गया था। विभिन्न विद्यालयों को अलग-अलग स्थल आवंटित किए गए, जहां विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवन एवं स्वच्छ पर्यावरण जैसे विषयों पर आधारित रंगोलियां तैयार कीं प्राकृतिक रंगों और सामग्रियों से निर्मित इन रंगोलियों ने न केवल दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया बल्कि पर्यावरण के प्रतिं जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रभावी संदेश भी दिया प्रत्येक रंगोली में प्रकृति के प्रति प्रेम हरियाली के महत्व तथा सतत विकास की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। शहर के विभिन्न स्थलों पर प्रदर्शित इन कलाकृतियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना की। निर्णायक दल द्वारा सभी स्थलों का भ्रमण कर रंगोलियों का सूक्ष्म मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अबोध बाल शिक्षा निकेतन सीधी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल सीधी द्वितीय तथा सिद्धभूमि इंटरनेशनल स्कूल सीधी तृतीय स्थान पर रहे विजेता विद्यालयों की रंगोलियों में कलात्मक सौंदर्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश भी देखने को मिला विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह अनूठी पहल विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता, पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त उदाहरण बनी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चरका पानी वाटरफॉल में चला स्वच्छता अभियान कलेक्टर विकास मिश्रा के नेतृत्व में श्रमदान कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वनांचल कुसमी क्षेत्र में महान नदी पर स्थित प्राकृतिक धरोहर चरका पानी वाटरफॉल में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया कलेक्टर विकास मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में उपखंड अधिकारी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्रा सहित अधिकारियों कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए श्रमदान किया तथा क्षेत्र की साफ-सफाई कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया अभियान के दौरान प्रतिभागियों ने वाटरफॉल परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में फैले कचरे को एकत्रित कर उसका उचित निपटान किया। साथ ही प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए जनजागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि प्रकृति हमें जीवन, जल और स्वच्छ वातावरण प्रदान करती है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सतत जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। यदि हम अपने प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ रखें और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहें, तो आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा। कलेक्टर मिश्रा ने नागरिकों से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति का सम्मान ही मानवता का सम्मान है और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह स्वच्छता अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का माध्यम बना, बल्कि प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति सामुदायिक सहभागिता का प्रेरक उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से गूंजा उत्कृष्ट विद्यालय परिसर

विश्व पर्यावरण दिवस पर विधायक रीती पाठक ने किया पौधरोपण चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 सीधी में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को समर्पित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता और रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया मुख्य अतिथि सीधी विधायक रीती पाठक ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया इसके बाद उन्होंने चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जैव विविधता, प्रदूषण नियंत्रण एवं हरित जीवनशैली जैसे विषयों पर आकर्षक चित्रों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया इस अवसर पर विधायक रीती पाठक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का अभियान नहीं बल्कि मानव जीवन और पृथ्वी के भविष्य से जुड़ा सतत दायित्व है। उन्होंने कहा कि वृक्ष प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं और प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे पर्यावरण संरक्षण के दूत बनकर अपने परिवार और समाज को भी प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने किया आरसेटी प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए किया प्रेरित, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने आज यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी का भ्रमण कर प्रशिक्षण गतिविधियों का अवलोकन किया भ्रमण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र में संचालित सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं तथा प्रशिक्षण के अनुभवों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सोलंकी ने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि

कौशल विकास आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण माध्यम है प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवा स्वयं का रोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को अपने कौशल का प्रभावी उपयोग करते हुए सफल उद्यमी बनने तथा स्वरोजगार के माध्यम से दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए प्रेरित किया भ्रमण के दौरान सोनू सोलंकी ने महिला स्वास्थ्य स्वच्छता एवं व्यक्तिगत साफ-सफाई से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षार्थियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण में सेनेटरी नैपकिन के महत्व उसके सुरक्षित उपयोग तथा वैज्ञानिक तरीके से निपटान के संबंध में जानकारी प्रदान की। साथ ही उन समुदायों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया जहां अब भी सेनेटरी नैपकिन का समुचित उपयोग नहीं किया जाता है उन्होंने प्रशिक्षार्थियों के साथ खुली चर्चा करते हुए इसके उपयोग से होने वाले लाभ एवं उपयोग न करने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी भी साझा की कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त कौशल और रोजगार की संभावनाओं पर चर्चा की।

प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता ही समृद्ध और सुरक्षित भविष्य की कुंजी: सांसद

जल गंगा संवर्धन अभियान में किया श्रमदान, अभियान के तहत किया पौधरोपण चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता के प्रतिभागी बच्चों को किया पुरस्कृत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत मझौली की ग्राम पंचायत टिकरी में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जनजागरूकता को समर्पित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सहभागिता करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान किया तथा अमृत सरोवर तालाब में विधिवत पूजा-अर्चना कर जल संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प को सशक्त किया। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम पंचायत टिकरी स्थित गौशाला में गौमाता की पूजा-अर्चना की तथा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया कार्यक्रम के दौरान आयोजित चित्रकला एवं क्विज

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सांसद डॉ. मिश्रा ने पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों ने जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। सांसद ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण की चेतना नई पीढ़ी के माध्यम से ही समाज में व्यापक रूप से स्थापित की जा सकती है। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और प्रकृति के प्रति संवेदनशील विकास की अवधारणा को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किया गया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आज पूरे देश में प्रकृति संरक्षण का प्रेरणास्रोत बन चुका है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान, जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और व्यापक वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को नई गति मिली है सांसद ने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं बल्कि जीवन का आधार है यदि जल स्रोतों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से तालाबों कुओं और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण तथा वर्षा जल संचयन को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने और जल की प्रत्येक बूंद को बचाने का संकल्प ले तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से जल सुरक्षित मध्यप्रदेश हरित मध्यप्रदेश तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य कृष्णलाल पयासी, प्रदीप शुक्ला, सरपंच तिलकराज सिंह, के.के. मिश्र, उपखंड अधिकारी मझौली आर पी त्रिपाठी, जनप्रतिनिधिगण प्रशासनिक अधिकारी शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे जल संरक्षण पर्यावरण संवर्धन गौसेवा एवं जनभागीदारी के संदेश से परिपूर्ण यह आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस पर क्षेत्रवासियों के लिए प्रेरणादायी एवं स्मरणीय रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम मढ़ा में श्रमदान, पौधारोपण एवं जन चौपाल आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत मढ़ा में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह के मुख्य आतिथ्य में श्रमदान, पौधारोपण एवं जन चौपाल का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं ग्राम विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की कार्यक्रम की शुरुआत श्रमदान से हुई, जिसमें उपस्थित जनसमुदाय ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सामूहिक रूप से श्रमदान किया इसके पश्चात ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया इस दौरान पर्यावरण संरक्षण हरियाली बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लिया गया जन चौपाल में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की साथ ही उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया अपने संबोधन में मंजू सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है। स्वच्छ वातावरण पर्याप्त जल संसाधन और हरियाली मानव जीवन के लिए अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है सभी लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए उन्होंने कहा कि स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन जैसे कार्य जनभागीदारी से ही सफल हो सकते हैं।

खाक हुई जिंदगियां :आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही हो तय

संपादकीय

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं।

दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया? जाहिर बात है कि लाइसेंस प्राप्त करने वाले होटलों व रेस्टोरेंट की नियमित जांच करके इनके मालिकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी।

वैदिक युग में शिक्षा के सही उद्देश्य

संजय गोस्वामी

आज की शिक्षा और पहले की शिक्षा में बहुत अंतर थी आज मोबाइल और कोचिंग के अलावा बच्चे प्रैक्टिस पर जोड़ नहीं देते ना ही बड़ो का बात मानते हैं, पहले पेपर लिक भी नहीं होता संस्कार था अब सब ख़त्म हो रहा है वैदिक काल (लगभग 1700-900 ई।पू।) से भारत में शिक्षा की शुरुआत मान सकते हैं। 'वैदिक शिक्षा' शब्द का प्रयोग इस अवधि में प्रयुक्त शिक्षण पद्धति के अर्थ में किया जाता है। एक व्यापक अर्थ में इस शब्द का प्रयोग उस शिक्षा पद्धति के लिए किया जाता है जो पूर्व वैदिक काल में प्रारंभ हुई और लगभग 550 ई। (गुप्त साम्राज्य के पतन तक) विकसित होती रही। इसे 'ब्राह्मण शिक्षा-पद्धति' , 'शिक्षा की हिंदू प्रणाली' और शिक्षा की 'गुरुकुल प्रणाली' भी कहा जाता है। भारतवर्ष मैं रहने वाली सर्वप्रथम जाति आर्य थी और वैदिक संस्कृति आर्यों की अपनी संस्कृति थी 7 वैदिक-संस्कृति सत्य, सनातन है और वेद को अनादि अथवा ईश्वरीय माना गया है , क्योंकि मनुष्य और उसकी सभ्यता के बारे में सबसे प्राचीन इतिहास भी इसी संस्कृति की देन है 7 जिसमें ऋषियों द्वारा मानव समाज को ब्यवस्थित तरीके से चलाने के लिये मर्यादित आचरण की ब्यवस्था दी गयी 7वैदिक शिक्षा-प्रणाली की ख़ास विशेषता थी गुरुकुल [शाब्दिक अर्थ शिक्षक का घर '] की प्रणाली। छात्रों को शिक्षा के पूरे काल के लिए शिक्षक और उनके परिवार के साथ रहना आवश्यक था। कुछ गुरुकुल एकांत वन-क्षेत्रों में होते थे, लेकिन सिद्धांत एक ही था विद्यार्थियों को गुरु (शिक्षक) / गुरु और उनके परिवार के साथ रहना होता था। यह प्रणाली लगभग 2500 वर्षों तक यथावत चलती रही। पाठशालाओं तथा शिक्षण संस्थाओं का विकास बहुत बाद में हुआ शिक्षा के उद्देश्य का पहला उल्लेख ऋग्वेद के 10 वें मंडल में पाया जाता है। इस मंडल के एक सूक्त में कहा गया है कि विद्या का उद्देश्य वेदों तथा कर्मकांड के ज्ञान के अतिरिक्त समाज में सम्मान प्राप्त करना, सभा-समिति में बोलने में सक्षम होना, उचित-अनुचित का बोध आदि है। इससे प्रतीत होता है की पूर्व वैदिक युग में शिक्षा के उद्देश्य व्यावहारिक थे। बाद में, उपनिषद काल में, ज्ञान का उद्देश्य अधिक सूक्ष्म हो गया। विद्या को दो भागों में बांटा गया - परा विद्या और अपरा विद्या। अपरा विद्या में प्रायः समस्त पुस्तकीय तथा व्यावहारिक ज्ञान आ गया। केवल ब्रह्म विद्या को परा विद्या माना गया। परा विद्या श्रेष्ठ मानी गई क्योंकि उससे मोक्ष प्राप्त होता है। मोक्ष शिक्षा का अंतिम उद्देश्य हो गया। लेकिन यह लक्ष्य आदर्श ही रहा होगा, न की व्यावहारिक, क्योंकि मोक्ष सभी के लिए साध्य नहीं हो सकता। इतिहासकार ए।एस।अल्तेकर ने वैदिक शिक्षा के व्यावहारिक उद्देश्य बताये हैं जो निम्नलिखित हैं। 1) चरित्र निर्माणः सत्यवादिता , संयम , व्यक्तिगत शील , सफाई , शांत स्वभाव और उदारता आदि अच्छे चरित्र के गुण किसी भी पेशे - पुरोहित , शिक्षक , चिकित्सक , राजसेवक, व्यापारी या सैनिक - के लिए बुनियादी आवश्यकता के रूप में प्राचीन ग्रंथों में निर्धारित किये गए हैं। शिक्षा का उद्देश्य इन गुणों का विकास करना था। मनुस्मृति में कहा गया है कि निर्मल चरित्र का ब्राह्मण सभी वेदों का ज्ञान रखने वाले दुश्चरित्र ब्राह्मण से अच्छा होता है। शिक्षा आरम्भ करने के पूर्व उपनयन संस्कार होता था जिसमें भावी विद्यार्थी को नैतिक आचरण के नियमों का पालन करने का उपदेश दिया जाता था। इसी तरह शिक्षा के समापन पर भी गुरु उपदेश देता था। उदाहरण के लिए तैत्तिरीय उपनिषद से दीक्षांत भाषण एक अंश उद्धृत है : सच बोलो, धर्म का आचरण करो, वेदों का प्रतिदिन अभ्यास करो, माता पिता को देवतुल्य समझो, गुरु को देवतुल्य समझो। अतिथि को देवतुल्य समझो।' 2) व्यक्तित्व का विकासः प्रत्येक शिक्षार्थी को आत्मनिर्भरता , आत्म - संयम और जीवन में वर्ण और आश्रम के अनुरूप आचरण करने का कौशल सिखाया जाता था। विद्यार्थी भिक्षा मांगकर और शारीरिक श्रम करके अपना और गुरु के परिवार का भरण-पोषण करते थे। इससे आत्म-निर्भरता उत्पन्न होती थी। संयम विद्यार्थी-जीवन ही नहीं समस्त जीवन का अनिवार्य अंग था और शिक्षा जीवन में इस पर बहुत बल दिया जाता था। अपने वर्ण से सम्बंधित कार्य कुशल ढंग से कर पाने की सामर्थ्य शिक्षा द्वारा दी जाती थी।

वैश्विक स्तरपर एक क्षेत्र की राजनीतिक घटना विश्वभर की अर्थव्यवस्था

शेयर बाजारों, मुद्राओं, बॉन्ड बाजारों और आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर सकती है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

आधुनिक विश्व अर्थव्यवस्था में राजनीति, युद्ध, ऊर्जा, जलवायु, तकनीक और वित्तीय बाजार एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली,मानसून की आशंका और वैश्विक अनिश्चितताओं ने बाजारों पर दबाव डाला वैश्विक स्तरपर मई के अंतिम सप्ताह 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति और वित्तीय बाजारों के लिए अत्यंत संवेदनशील और उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस अवधि में पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान तनाव,वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता केंद्रीय बैंकों की नीतियों को लेकर अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के बढ़ते संकेत, विदेशी निवेशकों की बिकवाली तथा मानसून संबंधी आशंकाओं ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों को गहराई से प्रभावित किया। यह सप्ताह इस बात का उदाहरण बन गया कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था कितनी परस्पर जुड़ी हुई है और कैसे किसी एक क्षेत्र की राजनीतिक घटना विश्वभर के शेयर बाजारों, मुद्राओं, बॉन्ड बाजारों और आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर सकती है। जबकि 1 जून 2026 से सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 42 रुपये की बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही 5 किलो वाले सिलेंडर के दाम में भी 11 रुपये का इजाफा किया गया है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर होटल, रेस्तरां और छोटे कारोबारियों को प्रभावित करेगी।शेयर मार्केट में भी 1 जून को गिरावट हुई संसेक्स 508 अंक टूटकर 74,267 पर बंद हुआ,जबकि निफ्टी 165 अंक गिरकर 23,383 पर आ गया,सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए. यानी गिरावट कुछ चुनिंदा शेयरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पूरे बाजार में फैली हुई थी.मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ने जब राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व शेयर मार्केटिंग का पूरे सप्ताह का विश्लेषण किया तो सप्ताह की शुरुआत 25 मई को अपेक्षाकृत सकारात्मक माहौल में हुई थीं ।अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते तथा युद्धविराम की खबरों ने निवेशकों को राहत दी।इससे वैश्विक बाजारों में रिस्क-ऑन भावना विकसित हुई। जापान का निक्केई सूचकांक ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के बाजारों में भी तेजी देखी गई। निवेशकों को लगा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति सामान्य हो जाती है तो वैश्विक ऊर्जा संकट कम होगा और मुद्रास्फीति पर दबाव घटेगा। परिणामस्वरूप एशियाई और यूरोपीय बाजारों में शुरुआती तेजी देखने को मिली।लेकिन यह आशावाद अधिक समय तक नहीं टिक सका। 26 मई को अमेरिका द्वारा ईरान से जुड़े सैन्य अभियानों और नए हमलों की खबरों ने बाजारों में पुनः अनिश्चितता पैदा कर दी। निवेशकों को यह समझ आने लगा कि पश्चिम एशिया संकट अभी समाप्त नहीं हुआ है। तेल की कीमतों में फिर से उतार- चढ़ाव शुरू हुआ और सुरक्षित निवेश माने जाने वाले डॉलर तथा सरकारी बॉन्ड की मांग बढ़ने लगी। इस प्रकार वैश्विक बाजारों में एक दिन पहले का उत्साह अचानक सतर्कता में बदल गया।

साथियों, इस पूरे सप्ताह वैश्विक बाजारों पर सबसे बड़ा प्रभाव तेल की कीमतों और पश्चिम एशिया की स्थिति का रहा। वर्ष 2026 के दौरान चले अमेरिका- ईरान संघर्ष ने पहले ही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर दिया था। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। जब इसके बंद होने या बाधित होने की आशंका उत्पन्न होती है, तब पूरी दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ जाती हैं। हालांकि 29 मई तक युद्धविराम समझौते की संभावना बढ़ने लगी और तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड अप्रैल के अंत की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत तक नीचे आ गया। इससे निवेशकों को यह संदेश मिला कि भविष्य में ऊर्जा लागत कम हो सकती है और वैश्विक मुद्रास्फीति पर दबाव घट सकता है।

साथियों, दूसरी ओर यूरोप की स्थिति अपेक्षाकृत जटिल रही। यूरोपीय अर्थव्यवस्था एक साथ दो समस्याओं का सामना कर रही है धीमी आर्थिक वृद्धि और बढ़ती मुद्रास्फीति। अर्थशास्त्र की भाषा में इसे स्टैगफ्लेशन कहा जाता है। यूरोपीय केंद्रीय बैंक के सामने चुनौती यह है कि वह मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरें बढ़ाए या कमजोर अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए नरम नीति अपनाए। मई के अंतिम सप्ताह में आए आर्थिक संकेतकों ने इस दुविधा को और गहरा किया।

साथियों, भारत के लिए यह सप्ताह विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार के दबाव एक साथ दिखाई दिए। शुरुआत में निवेशकों को उम्मीद थी कि यदि पश्चिम एशिया संकट कम होता है तो भारत को कम तेल कीमतों का लाभ मिलेगा। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतों में गिरावट सीधे चालू खाता घाटे, मुद्रास्फीति और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित करती है।लेकिन सप्ताह के अंत तक भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली। 29 मई को सेंसेक्स लगभग 1092 अंक गिर गया और निफ्टी 359 अंक टूटकर 23550 के नीचे पहुंच गया। यह गिरावट केवल तकनीकी कारणों से नहीं थी बल्कि इसके पीछे कई आर्थिक और राजनीतिक कारण एक साथ काम कर रहे थे।

साथियों, सबसे पहला कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली थी। जब वैश्विक निवेशकों को किसी देश या क्षेत्र में जोखिम बढ़ता हुआ दिखाई देता है, तो वे अपने निवेश को सुरक्षित परिसंपत्तियों में स्थानांतरित करने लगते हैं। भारत में विदेशी निवेशकों की बिक्री ने बैंकिंग, वित्तीय और धातु क्षेत्रों पर विशेष दबाव डाला।

साथियों, दूसरा कारण कमजोर मानसून की आशंका थी। भारत की कृषि अभी भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है। यदि वर्षा सामान्य से कम होती है तो खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित हो सकता है,जिससे खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना रहती है। निवेशकों ने इसे एक संभावित आर्थिक जोखिम के रूप में देखा। परिणामस्वरूप कृषि आधारित उद्योगों, उपभोक्ता कंपनियों और ग्रामीण मांग पर निर्भर क्षेत्रों में चिंता बढ़ी। तीसरा कारण वैश्विक अनिश्चितता थी। यद्यपि अमेरिका- ईरान समझौते की खबरें आ रही थीं, लेकिन निवेशकों को विश्वास नहीं था कि संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है। किसी भी समय नई सैन्य कार्रवाई या राजनीतिक विवाद तेल बाजारों को पुनः अस्थिर बना सकते थे। इसलिए भारतीय बाजारों में निवेशकों ने लाभ बुक करना सटीक रूप से उचित समझा।

साथियों, इस सप्ताह भारतीय बाजारों में यह भी स्पष्ट हुआ कि घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत होने के बावजूद वैश्विक पूंजी प्रवाह का प्रभावअत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत की विकास दर, उपभोग मांग और कॉर्पोरेट आय मजबूत बनी हुई हैं, लेकिन विदेशी पूंजी की निकासी अल्पकालिक रूप से बाजारों को नीचे खींच सकती है।

साथियों, भारतीय अर्थव्यवस्था के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा ने स्पष्ट किया कि देश की बुनियादी आर्थिक स्थिति अभी भी मजबूत है। फिर भी कच्चे तेल की कीमतें, मुद्रास्फीति और मानसून सबसे बड़े जोखिम बने हुए हैं। यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत बढ़ेगी। इसका सीधा प्रभाव उपभोक्ता कीमतों पर पड़ेगा। दूसरी ओर यदि मानसून कमजोर रहता है तो खाद्य कीमतों में वृद्धि हो सकती है। इन दोनों कारकों का संयुक्त प्रभाव सटीक रूप से भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर पड़ सकता है।

साथियों, वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों की भूमिका भी बाजारों की दिशा निर्धारित करने वाली रही। निवेशकों की नजर अमेरिका के पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों, जीडीपी डेटा और रोजगार संकेतकों पर थी। यदि अमेरिकी मुद्रास्फीति ऊंची बनी रहती है तो फेडरल रिजर्व ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रख सकता है। इसका असर विश्वभर के पूंजी बाजारों पर पड़ता है क्योंकि उच्च अमेरिकी ब्याज दरें निवेशकों को उभरते बाजारों से धन निकालकर अमेरिका में निवेश करने के लिए प्रेरित करती हैं।इस अवधि में मुद्रा बाजार भी अत्यधिक संवेदनशील रहे। डॉलर की मजबूती और कमजोरी के बीच लगातार उतार-चढ़ाव दिखाई दिया। जब युद्ध का खतरा बढ़ा तो डॉलर मजबूत हुआ क्योंकि निवेशकों ने उसे सुरक्षित निवेश माना। जब शांति वार्ता की खबरें आई तो डॉलर पर दबाव आया और जोखिम वालीपरिसंपत्तियों में निवेश बढ़ा। इस प्रकार विदेशी मुद्रा बाजारों ने भू-राजनीतिक घटनाओं की तीव्र प्रतिक्रिया दिखाई।

साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि मई 2026 का अंतिम सप्ताह केवल शेयर बाजार की कहानी नहीं था बल्कि यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की जटिलताओं का दर्पण था। एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचारों ने निवेशकों को उत्साहित किया, दूसरी ओर युद्ध, ऊर्जा संकट, मुद्रास्फीति और जलवायु संबंधी जोखिमों ने अनिश्चितता को बढ़ाया।विश्व के प्रमुख बैंकरों और निवेशकों ने भी चेतावनी दी कि वर्तमान समय में सबसे बड़ा खतरा केवल आर्थिक नहीं बल्कि भू-राजनीतिक है। अमेरिका- ईरान संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक व्यापारिक तनाव और बढ़ते रक्षा व्यय आने वाले वर्षों में आर्थिक विकास की दिशा तय करेंगे।

साथियों,अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिया। जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग और यूरोप के प्रमुख सूचकांकों में तेजी आई। अमेरिकी बाजारों में भी निवेशकों ने राहत की सांस ली क्योंकि ऊर्जा कीमतों में गिरावट का अर्थ है कि फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। परिणामस्वरूप तकनीकी और विकास आधारित कंपनियों के शेयरों में खरीदारी बढ़ी।अमेरिकी शेयर बाजारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियां निवेशकों का मुख्य आकर्षण बनी रहीं। डेल टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों के शेयरों में भारी उछाल आया। निवेशकों का विश्वास था कि एआई आधारित निवेश भविष्य की आय वृद्धि का प्रमुख स्रोत बनेगा। इससे नैस्डैक और एस एंड पी 500 नए रिकॉर्ड स्तरों की ओर बढ़ते दिखाई दिए। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी भी दी कि यदि वैश्विक तनाव बढ़ता है या मुद्रास्फीति फिर से ऊपर जाती है तो यह तेजी अस्थिर साबित हो सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि मई 2026 का अंतिम सप्ताह यह दर्शाता है कि आधुनिक विश्व अर्थव्यवस्था में राजनीति, युद्ध, ऊर्जा, जलवायु, तकनीक और वित्तीय बाजार एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। पश्चिम एशिया में तनाव और संभावित शांति वार्ताओं ने तेल की कीमतों को प्रभावित किया; तेल ने मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को प्रभावित किया; मुद्रास्फीति ने केंद्रीय बैंकों की नीतियों को प्रभावित किया; और इन नीतियों ने शेयर बाजारों तथा पूंजी प्रवाह की दिशा तय की। भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली, मानसून की आशंका और वैश्विक अनिश्चितताओं ने बाजारों पर दबाव डाला, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई आधारित कंपनियों और शांति की उम्मीदों ने निवेशकों को आशावादी बनाए रखा। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पश्चिम एशिया की स्थिति, वैश्विक मुद्रास्फीति, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति तथा भारत का मानसून किस दिशा में जाते हैं, क्योंकि यही कारक विश्व और भारतीय अर्थव्यवस्था की अगली चाल तय करेंगे।

देश की राजनीति का मानक हैं योगी आदित्यनाथ

मनोज कुमार अग्रवाल

कल्पना किजिए नौ साल पहले के उत्तर प्रदेश की जहां माफिया थाने में पहुंच कर पुलिस वालों को बंधक बनाने का दुस्साहस कर रहे थे एक ओर भ्रष्टाचार अपहरण हत्या फिरौती सरकारी ठेकों पर बपौती का धंधा चरम पर था वहीं एक नेता आइएएस से जूते साफ कराने की मंशा खुलेआम माइक पर बोल रहे थे हर तरफ अराजकता सेकुलरिज्म के नाम पर एक खास समुदाय के लोगों को खुश करने के लिए खुला संरक्षण बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं दिमागी बुखार से हर साल मरते सैकड़ों बच्चे दूसरी ओर सरकारी धन पर जंगल सफारी और सैफई महोत्सव में मुंबईया हीरोइनों के नृत्य घटता निवेश और डूबते उध्योग माफियाओं की धमकियों से असुरक्षित उध्यमी।2017 में उत्तर प्रदेश के भाग्य में बदलाव आया और योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

यहां से उत्तर प्रदेश में बदलाव और विकास का नया वातावरण तैयार हुआ है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में योगी आदित्यनाथ एक ऐसे तेजस्वी और तपस्वी नेता हैं, जिन्होंने साधु-सन्यासी की मर्यादा और कुशल प्रशासक के गुणों को एक साथ साधा है। जिनका जीवन सनातन मूल्यों, राष्ट्रीय चेतना और लोकसेवा के लिए पूर्णतः समर्पित है। भगवा जिनके लिए गौरव ही नहीं बल्कि अस्तित्व है।

एक ओर वे गोरखनाथ मठ के पीठाधीश्वर हैं, जहां वे धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं का पालन करते हैं, वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में वे कानून, व्यवस्था और विकास का आधुनिक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। शासन में उनकी छवि एक कठोर लेकिन न्यायप्रिय प्रशासक की है, जो जनहित को सर्वोपरि रखता है। गरीब-दलित-पिछड़ों की आवाज, हर फरियादी के लिए दिन-रात उपलब्ध योगी जी असल में एक जननायक हैं।उनके संपत्ति में मात्र चार जोड़ी गेरूआ सूती कपड़े है। पैर में भी सिर्फ साधारण कपड़े के जूते पहनते हैं

योगी आदित्यनाथ का दिन 4 बजे ब्रह्ममुहूर्त में उठकर साधना और प्रार्थना से शुरू होता है। उनका मानना है कि आत्मानुशासन ही सच्चे नेतृत्व की पहली सीढ़ी है। उनका जीवन संयमित, सादा और पूर्णतः सात्विक है न कोई दिखावा, न कोई विलासिता। गोरखनाथ मंदिर में गौसेवा हो या मंदिर परिसर की सादगी, हर पहलू उनके सेवा और साधना भाव का परिचायक है।

भारत की राजनीति में एक कर्मठ योगी, हार्ड लीडरशिप, यूनिवर्सल ट्रांसपोर्टर, अपारजन समर्थक प्रासकर्ता हैं योगी आदित्यनाथ। जनता से सीधे-सीधे उन्हें लोकप्रिय नेता बना दिया। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को कानून, व्यवस्था, बुनियादी ढांचे की प्रगति, रैपिड डिवेलपमेंट मॉडल में अग्रणी प्रदेश बनाया गया। इससे उत्तर प्रदेश का भविष्य ही बदल गया।

योगी आदित्यनाथ का मूल नाम अजय सिंह विष्ट है। उनका जन्म उत्तराखंड के पौडी गढ़वाल जिले के एक सामान्य से परिवार में 05 जून 1972 को हुआ था। आदित्यनाथ बचपन से ही पढ़ाई में प्रखर और समाज के लिए कार्य करने के लिए आगे रहते थे ।

हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में बी.एससी. छात्र राजनीति एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें तर्कशीलता, निर्णय लेने की क्षमता और विश्लेषण क्षमता प्रदान की।

शिक्षा प्राप्ति के बाद उनके अध्यात्म की ओर रुचि हुई। उन्हे महंत अवैध्यनाथ का सानिध्य प्राप्त हुआ । यहीं से उनके संन्यासी जीवन की शुरुआत हुई। बाद में 1994 में गोरखनाथ मठ के महंत धार्मिक कार्यकर्ताओं का नेतृत्व, सामाजिक सेवा और जनसम्पर्क उनके जीवन का हिस्सा बन गये। योगी आदित्यनाथ 26 वर्ष की आयु में गोरखपुर लोकसभा सीट से सांसद बने। उनके स्पष्ट विचार एवं सशक्त जनाधार एवं सीधे संवाद ने उन्हें लोकप्रिय बनाया। गोरखपुर से पांचवी बार सांसद बने और राजनीति का प्रमुख चेहरा बने।

सन 2017 में भारतीय जनता पार्टी से वे उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री बने। उनका नेतृत्व प्रदेश में होने के कारण कठोर अनुशासन, न्याय पूर्ण शासन शैली पर लक्ष्य लगा। उनके शासन में अपराध और अपराध पर नियंत्रण किया गया। माफियाओं पर अवैध कब्जे हुए। प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बुंदेल खंड एक्सप्रेस-वे गंगा एक्सप्रेस-वे हिंडन जेवर हवाई अड्डे मेट्रो परियोजनाओं को मूर्त रूप दिया गया है। इन परियोजनाओं के कारण प्रदेश का विकास गतिवान हो रहा है रोजगार मे उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है। प्रदेश में वैश्विक निवेशक शामिल, प्रदेश में भारी निवेश बढ़ा । शहरी विकास और काशी विश्वनाथ मंदिर अयोध्या, मथुरा और बनारस का पुन निर्माण अयोध्या दीप उत्सव की विश्व में पहचान खेती और किसानों को पर्याप्त संरक्षण सिचाई फसल बीमा बिजली व्यवस्था मे सुधार कुशल नेतृत्व अद्भुत निर्णय क्षमता ज़ीरो टालरेंस नीति अनुशासित कठोर शासक आध्यात्मिक होने के साथ-साथ व्यावहारिक मानसिकता और कार्यशैली देश विदेश में लोकप्रिय हो रही है। यूपी मॉडल भारत की राजनीति में नामांकन रहता है। अन्य राज्यों की जनता भी यूपी मॉडल की मांग करती है।आज योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी बतौर माना जा रहा है। ऐसे वीतराग संयासी के हाथों में यूपी जैसे राज्य ने अपराध और माफिया के खिलाफ एक बड़ी जंग जीत कर कानून व्यवस्था का राज कखयम किया है। ऐसे विरल व्यक्तित्व निसंदेह भारत के स्वर्णिम भविष्य के रचियता बनेंगे इसमे कोई संदेह नहीं है।

पारधी समाज के बच्चों के लिए 'खाकी वाला प्यार' एक माह में आया परिवर्तन इंग्लिश में बोल रहे नाम डांस कराटे पेंटिंग सीखी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पारदी समाज के बच्चे हाथ के पंचो के सहारे भी इस तरह चलते है पारदी समाज के बच्चे हाथ के पंचो के सहारे भी इस तरह चलते है नर्मदापुरम पुलिस ने पारदी समाज के बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन कर खाकी का अनोखा अंदाज पेश किया। पुलिस वेलफेयर भवन में एक माह से चल रहे इस कैंप में पारधी समाज के बच्चे, बच्चियों ने डांस, कराटे, कबड्डी, बैडमिंटन, पेंटिंग के साथ इंग्लिश में अपना नाम, हाय हेलो करना भी सीख लिया है। पुलिस के इस प्रकार के रूप देख पारधी समाज बच्चों के साथ ही उनके अभिभावकों के मन में भी खाकी वर्दी के प्रति नाकारात्मक सोच भी बदल रही है मुदाय आधारित पुलिसिंग के अंतर्गत प्रारंभ की गई 'उड़ान' पहल समाज के वंचित समुदायों के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एसपी सांई कृष्णा थोटा ने यह नवाचार किया है। उनका उद्देश्य पारधी समुदाय के बच्चों में शिक्षा, खेल, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है पुलिस की

बस से बच्चों को लाना ले जाना किया जाता है पुलिस की बस से बच्चों को लाना ले जाना किया जाता है 50 किमी दूर से रोज पुलिस वाहन से आते है बच्चें समर कैंप में सिवनी मालवा और ग्राम कोटलाखेड़ी निवासरत पारधी समुदाय के 25 बच्चों को पुलिस लाइन में आयोजित समर कैंप में नियमित रूप से लाया जाता है। पुलिस परिवारों एवं आमजन के बच्चों सहित लगभग 110 बच्चों को विभिन्न खेल, सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। बच्चों को प्रतिदिन उनके निवास स्थलों से पुलिस वाहन में बैठाकर 50किमी दूर रक्षित केंद्र लाया जाता है। बच्चों को पौष्टिक नाश्ते एवं भोजन भी खिलाया जाता है पारधी समाज की बेटियां आत्मविश्वास के साथ मंच पर डांस करती है पारधी समाज की बेटियां आत्मविश्वास के साथ मंच पर डांस करती है फुटबॉल, कबड्डी, डांस, चीज, कलाबाजी सीख रहे शिविर में बच्चों को अंग्रेजी संवाद कौशल, पैंटिंग, डांस व्यक्तित्व विकास, कराटे, फुटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन तथा अन्य खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है केवल कौशल विकास तक सीमित नहीं है बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास अनुशासन टीम भावना नेतृत्व क्षमता तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों का विकास करना भी है बच्चों को कराटे भी सिखाएं गए है बच्चों को कराटे भी सिखाएं गए है बच्चों में बढ़ आत्मविश्वास बेझिझक दें रहे परफॉर्मेंस पुलिस की इस पहल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पारधी समुदाय के बच्चे अन्य बच्चों के साथ मिलकर सीख रहे हैं, खेल रहे हैं और संवाद स्थापित कर रहे हैं। इससे उनके सामाजिक दायरे का विस्तार हो रहा है तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ उनका जुड़ाव बढ़ रहा है। यह प्रक्रिया सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ बच्चों में हीनभावना को कम कर आत्मविश्वास विकसित करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है। त्रियांशी तिवारी ने बताया कि समर कैंप में हमें इन बच्चों से कॉन्फिडेंस और स्टंट सीखा है। जो हमें नहीं आते थे उनकी फिजिकल एक्टिविटी अच्छी है। जो हमें सीखने को मिली कैंप में प्रशिक्षण ले रहे गणेश ने बताया कैंप में आने के लिए रोजाना सुबह 6 बजे जागते है बस में आकर टाइम टू टाइम काम एक एक गतिविधियाँ सीखते है।सबसे महत्वपूर्ण हमें टाइम मैनेजमेंट सिखाया गया यहां हमने किसी को विश करना सीखा।गुड मॉर्निंग सर, एंड मेडम अपना इंग्लिश में नाम बोलना सीखे है बालिका कायरा ने बताया हमें यहां आकर अच्छा लगता है डांस, कराटे, पेंटिंग हमने यहां सीखी इंग्लिश में अपना परिचय नहीं दें पाते थे जो यहां सीखी है कुलदीप चौहान ने बताया हम गांव में ऐसे ही घूमते थे स्वयं ही कुछ खेल खेलते थे यहाँ आकर नई नई चीजें सीखने को मिली पुलिस ने हम बच्चों को एक अच्छा प्लेटफॉर्म दिया एसपी सांई कृष्णा थोटा स्वयं बच्चों के बीच बैठकर उनका हौंसला भी बढ़ाते है एसपी सांई कृष्णा थोटा स्वयं बच्चों के बीच बैठकर उनका हौंसला भी बढ़ाते है सामाजिक परिवर्तन विश्वास सशक्तिकरण की दिशा में नई पहल एसपी सांई कृष्णा का कहना है कि पारधी समाज मुख्यधारा से अक्सर कटा रहता है। अपराधिक गतिविधियां में कई लोग शामिल होते है। जिससे बच्चों को सही दिशा और हुनर को अच्छे प्लेटफार्म पर दिखाने का मौका नहीं मिल पाता पुलिस का ये कदम बच्चों को शिक्षा हुनर और अनुशासन से जोड़ने का जरिया बना उड़ान केवल बच्चों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन विश्वास निर्माण और समुदाय सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है जो आने वाले समय में बच्चों और उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक एवं स्थायी बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी अभिभावक शिवनारायण चौहान कहना है कि इस कैंप से बच्चों में पुलिस के प्रति डर खत्म हुआ और विश्वास बढ़ा है एसपी साहब और पुलिस का यह रूप देखकर हमें काफी उम्मीदें जग गई है।

सुशासन तिहार में जनता से सीधा संवाद, लाखनटोला शिविर में 156 आवेदनों का त्वरित निराकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत लाखनटोला में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण एवं समाधान शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया संवाद से संपूर्ण समाधान की अवधारणा पर आधारित इस शिविर में लाखनटोला रामगढ़ मोहनटोला, मट्टा और जोलगी सहित आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासन स्वयं गांवों तक पहुंचकर सेवाएं उपलब्ध कराए शिविर में राजस्व, खाद्य, सामाजिक सुरक्षा, कृषि तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभागों सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 156 आवेदन प्राप्त हुए। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई जबकि शेष प्रकरणों को समय-सीमा में निपटाने के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया शिविर के दौरान पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी दिया गया खाद्य विभाग ने एक हितग्राही का अंत्योदय राशन कार्ड स्वीकृत किया कृषि विभाग ने किसानों को मूंग बीज वितरित किए तथा वन विभाग ने पौधों का वितरण किया महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहा ग्रामीणों ने शिविर को प्रशासन और जनता के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बताया।

नवीन राशन कार्ड हेतु ऑनलाइन आवेदन की नई व्यवस्था लागू

नवीन राशन कार्ड, सदस्य जोड़ने और नाम विलोपन की सुविधा सेवा-सेतु पोर्टल पर उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, नया रायपुर द्वारा नवीन राशन कार्ड जारी करने, राशन कार्ड में सदस्य जोड़ने तथा सदस्य विलोपित करने संबंधी आवेदनों को अब सेवा-सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त करने की व्यवस्था लागू कर दी गई है विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार नागरिक अब सेवा-सेतु पोर्टल के माध्यम से राशन कार्ड संबंधी आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राप्त आवेदनों में दर्ज जानकारी एवं अपलोड किए गए दस्तावेजों का परीक्षण और सत्यापन छत्तीसगढ़ राशन कार्ड नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप किया जाएगा। संबंधित स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा आवेदन का नियमानुसार परीक्षण कर पात्र पाए जाने वाले आवेदकों

को उनकी पात्रता के अनुसार नवीन राशन कार्ड जारी करने की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। स्वीकृति के पश्चात जोन अथवा जनपद कार्यालय में ऑनलाइन जनरेट राशन कार्ड की पीडीएफ प्रति पर प्राधिकृत अधिकारी द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर अंकित किए जाएंगे विभाग ने निर्देश दिए हैं कि राशन कार्ड प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को अपने परिवार के मुखिया एवं कार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से कराने के लिए प्रेरित किया जाए। ई-केवाईसी संबंधित उचित मूल्य दुकान में स्थापित ई-पॉस मशीन अथवा फेस ई-केवाईसी के माध्यम से कराई जा सकेगी। यह व्यवस्था राशन कार्ड संबंधी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से लागू की गई है जिससे नागरिकों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिलेगी तथा समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क में गूंजा हरियाली का संदेश

जनप्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प: एक पेड़ एक उम्मीद-एक बेहतर भविष्य थीम पर हुआ भव्य पौधरोपण कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ़ वनमंडल अंतर्गत आमाखेरवा स्थित गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क में व्यापक वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया एक पेड़ एक उम्मीद-एक बेहतर भविष्य और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, वन अधिकारियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव एवं वनमंडलाधिकारी चन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा पौधरोपण कर किया गया इस दौरान अमलतास, चंदन, करंज, अशोक, गुलमोहर, मौलश्री, कचनार, गुड़हल एवं अन्य छायादार, औषधीय तथा सौंदर्यवर्धक

पौधों का रोपण किया गया अपने संबोधन में प्रतिमा यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सतत जिम्मेदारी है। वहीं चन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष जीवन, जल और जैव विविधता के आधार हैं तथा प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए कार्यक्रम की विशेष आकर्षण पीएम विद्यालय के विद्यार्थियों की सहभागिता रही। विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण, जल संरक्षण एवं वृक्षों के महत्व की जानकारी दी गई। बच्चों ने पौधों की देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनाने और अपने आसपास हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पार्षदगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पर्यावरण प्रेमी नागरिक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी। ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक विरासत से समृद्ध गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क में आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति बढ़ती जनजागरूकता और सामूहिक सहभागिता का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण मुक्त भविष्य के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

नर्मदापुरम में दुकानदार की हत्या का सीसीटीवी: से खुलासा पड़ोसी युवक ने घोंपा था चाकू, गुटखा खरीदने पर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के ग्वालटोली क्षेत्र में घर के आंगन में सो रहे 55 वर्षीय व्यक्ति के पेट में चाकू पड़ोसी युवक ने ही घोंपा था। जिससे उपचार के दौरान 24 घंटे बाद घायल दुकानदार की मौत हो गई थी। वारदात के बाद आरोपी भाग निकला था मौके पर मिले सीसीटीवी फुटेज से हत्या का राज उजागर हो गया। कोतवाली पुलिस ने चौथे दिन हत्या करने वाले आरोपी उदित उर्फ गोल्डी पिता राजेंद्र चौहान निवासी बजरंग चौक को गिरफ्तार किया। शुक्रवार को कोतवाली पुलिस हत्या का खुलासा करेगी पुलिस के मुताबिक हत्या करने वाला आरोपी उदित उर्फ गोल्डी पिता राजेंद्र चौहान है मृतक राजू कुचबंदिया के घर के आंगन में ही छोटी सी गुटखा

पाउच, गोली बिस्किट की दुकान चलाता है 31 मई को रात को आरोपी गोल्डी गुटखा खरीदने के लिए राजू की दुकान पर आया था तब गुटखा खरीदने पर बहस हो गई गोल्डी ने राजू से मारपीट की फिर वो चला गया। रात में करीब 12.15 बजे वो राजू के घर आया। जब राजू आंगन में सो रहा था। तब उसने मारपीट की और सब्जी काटने वाला चाकू राजू के पेट में घोंप दिया। फिर वो मौके पर भाग निकला था। परिजनों ने घायल अवस्था में राजू को अस्पताल ले गए। जहां से हालत नाजुक होने और खून अधिक बहने से भोपाल रेफर किया गया। अगले दिन भोपाल में उसने दम तोड़ दिया शव रख प्रदर्शन किया, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की राजू की हत्या से आक्रोशित परिजन और कुचबंदिया समाज के युवाओं द्वारा प्रदर्शन किया गया था मुक्तिधाम जाने के दौरान उन्होंने शव सतरस्ते पर रख प्रदर्शन किया था करीब 10 मिनट तक यह प्रदर्शन हुआ। 24 घंटे के भीतर आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ और परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए सीसीटीवी में दिखा आरोपी, पुलिस ने पकड़ घटना वाली रात घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया है एक वीडियो में पहले युवक सामान्य रूप से जाता दिखाई देता है जबकि कुछ देर बाद मुंह ढंककर भागते हुए नजर आया कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान शुरू की।

कौलारस में ट्रक डिवाइडर से टकराया: चालक गंभीर घायल, NHAI पर लापरवाही के आरोप लगे, सूचना और चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कौलारस थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरनखेड़ी गांव के पास गुरुवार रात एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। इस हादसे में ट्रक चालक यशपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल शिवपुरी रेफर किया गया है जानकारी के अनुसार ट्रक शिवपुरी से बदरवास की ओर माल भरने जा रहा था। गुरुवार रात पूरनखेड़ी के समीप चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद ट्रक सीधे डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक को गंभीर चोटें आईं स्थानीय लोगों की मदद से

घायल चालक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे शिवपुरी जिला अस्पताल रेफर कर दिया पहले भी हो चुके हैं हादसे उल्लेखनीय है कि इसी स्थान पर दो दिन पहले भी इसी तरह का एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण और डायवर्जन से संबंधित पर्याप्त सूचना बोर्ड और चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए हैं NHAI पर लापरवाही के आरोप स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की लापरवाही के कारण इस क्षेत्र में लगातार हादसे हो रहे हैं जिससे वाहन चालकों की जान जोखिम में पड़ रही है।

रक्तदान का महायज्ञ: 56 यूनिट रक्तदान से बचेंगी कई जिंदगियां अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों और पत्रकारों ने बढ़ाया मदद का हाथ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मानव सेवा और सामाजिक दायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण पेश करते हुए 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल मनेंद्रगढ़ में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया इस जनहितकारी अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों, चिकित्सकों स्वास्थ्य कर्मियों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 56 यूनिट रक्तदान किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। उनके नेतृत्व और स्वास्थ्य विभाग की टीम भावना के कारण यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ शिविर में लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र राणा और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। उनके साथ चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, मैदानी अमले और पत्रकारों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया वक्ताओं ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति, गंभीर रोगी, गर्भवती महिला या आपातकालीन मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जैसवाल के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। शिविर में अस्पताल डॉ. स्नेहा सिंह, डॉ. वासिक असदक, डॉ. सुधांशु पटेल, बीपीएम सुलेमान खान, स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी सहित पत्रकार जगत के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

यूरिया खाने से 5 बकरों की मौत,ग्रामीण ने पड़ोसी किसान पर लापरवाही का आरोप लगाया, खेत मालिक पर केस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के इंदार थाना क्षेत्र के ग्राम ठाटी में खुले में रखी यूरिया खाद खाने से शुक्रवार को पांच बकरों की मौत हो गई। पीड़ित ग्रामीण ने अपने पड़ोसी किसान पर लापरवाही का आरोप लगाया है ग्राम ठाटी निवासी नवलसिंह परिहार (55) ने बताया कि हाल ही में उनका बेटा राजवीर परिहार 13 बकरे-बकरियों को चराने के लिए ग्राम खरेह की टगर की ओर ले गया था इस दौरान पशु रघुराज यादव के खेत के पास पहुंचे जहां इमली के पत्तों के साथ कुछ बकरों ने खेत में रखी यूरिया खाद भी खा ली जब सभी बकरे-बकरियों को घर लाया गया तो पांच बकरों के मुंह से झाग निकल रहा था कुछ ही देर बाद पांचों बकरों की मौत हो गई मृत बकरों में एक डेढ़ साल का और चार छोटे बकरे शामिल थे खेत मालिक पर केस दर्ज नवलसिंह परिहार ने आरोप लगाया है कि खेत मालिक ने यूरिया खाद खुले में रखी थी जिसके कारण उनके पशुओं की जान गई मामले की सूचना मिलने पर इंदार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस ने मामले की जांच प्रधान आरक्षक हरीसिंह को सौंपी है।

एमसीबी पुलिस ने 6 क्विंटल गांजा जब्त किया :2 कारों से बरामद हुआ मादक पदार्थ, घेराबंदी के दौरान वाहन छोड़कर भागे तस्कर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के नागपुर चौकी क्षेत्र में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारों से करीब 6 क्विंटल गांजा जब्त किया है पुलिस को देखते ही तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैझ पुलिस को संदिग्ध वाहनों में मादक पदार्थ परिवहन किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर नागपुर चौकी क्षेत्र में घेराबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान तस्कर पुलिस की मौजूदगी भांपकर दोनों कारें मौके पर छोड़कर फरार हो गए। 2 कारों से भारी मात्रा में

गांजा बरामद,तौल जारी पुलिस ने वाहनों को कब्जे में लेकर तलाशी ली। जांच में एक कार से 305 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिनका वजन एक-एक किलो से अधिक बताया जा रहा है। दूसरी कार से भी बड़ी मात्रा में गांजा मिला है, जिसकी गिनती और तौल की प्रक्रिया जारी है पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जब्त गांजे का कुल वजन और बाजार मूल्य का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जब्ती करीब 6 क्विंटल के आसपास हो सकती है फरार तस्करों की तलाश तेज पुलिस वाहन नंबरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर फरार आरोपियों की पहचान में जुटी हुई है आसपास के क्षेत्रों में भी सर्च

अभियान चलाया जा रहा है जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि गांजा किस स्थान से लाया जा रहा था और इसे कहां पहुंचाया जाना था नेटवर्क की भी होगी जांच पुलिस का कहना है कि मामले में केवल वाहन चालकों ही नहीं बल्कि पूरे तस्करी नेटवर्क की भूमिका की भी जांच की जाएगी जब्त मादक पदार्थों के स्रोत और सप्लाई चेन से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है नागपुर चौकी क्षेत्र में हुई यह कार्रवाई जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ हाल के वर्षों की सबसे बड़ी जब्तियों में से एक मानी जा रही है फिलहाल पुलिस जब्त गांजे की अंतिम मात्रा और फरार तस्करों की पहचान को लेकर जांच में जुटी हुई है।

सागर में जहरीली शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

मटमैली और बदबूदार पांच लीटर शराब पकड़ाई, बेचने की फिराक में खड़ा था आरोपी

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने अमानक व जहरीली शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से मटमैली और दुर्गंधयुक्त पांच लीटर शराब जब्त की है। आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रजौआ रोड पर मंदिर के पास एक संदिग्ध अवैध शराब लेकर खड़ा है और शराब बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम कार्रवाई के लिए रवाना की गई। टीम ने मुखबिर के बतायानुसार स्थान पर पहुंचकर दबिश दी। जहां एक युवक हाथ में पीले रंग की प्लास्टिक की कुप्पी लिए खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम धीरज पिता महेश कोरी उम्र 33 वर्ष निवासी आवासी कॉलोनी बाघराज वार्ड होना बताया।

आरोपी के कब्जे से बरामद प्लास्टिक की कुप्पी की जांच करने पर उसमें लगभग पांच लीटर मटमैली व दुर्गंधयुक्त हाथ से निर्मित कच्ची शराब बरामद की गई। प्रथम दृष्टया उक्त शराब अमानक व मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक व संभावित रूप से विषैली प्रतीत हुई।

पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। थाने लेकर आई। जहां शराब के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। शराब के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

रतलाम फोरलेन पर ई-स्कूटी में आग, जलकर खाक

जलते हुए वाहन का वीडियो में ऊंचीं उठ रहीं लपटें; देखने जुटी भीड़

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के महू-नीमच फोरलेन पर गुरुवार दोपहर चलती ई-स्कूटी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते स्कूटी आग की लपटों में घिर गई और पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना के बाद फोरलेन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना जावरा थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत लुहारी फंटा के पास दोपहर करीब 3 बजे की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार ई-स्कूटी में अचानक धुआं उठने लगा। स्कूटी सवार को जैसे ही आग लगने का आभास हुआ, वह तुरंत वाहन छोड़कर दूर हट गया। कुछ ही देर में स्कूटी धू-धू कर जलने लगी।

शॉर्ट सर्किट की आशंका

प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि आग किन कारणों से लगी, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। घटना के समय फोरलेन से गुजर रहे लोगों ने स्कूटी में लगी आग का वीडियो बना लिया। आग की ऊंची लपटें उठने से मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

फायर ब्रिगेड पहुंचने तक जल चुकी थी स्कूटी

घटना की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक ई-स्कूटी पूरी तरह जल चुकी थी। बाद में जली हुई स्कूटी को घटनास्थल से हटाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल स्कूटी सवार की पहचान सामने नहीं आई है।

रतलाम में घर के बाहर मिला जिंदा कारतूस

मकान मालिक को कोई निशान नहीं मिला; पुलिस को सौंपा

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम के देवरा देवनारायण नगर में एक घर के बाहर गुरुवार रात जिंदा कारतूस (गोली) मिलने से सनसनी फैल गई। मकान मालिक ने कारतूस को उठाकर अपने पास रखा। फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर मकान मालिक ने कारतूस सौंप दिया।

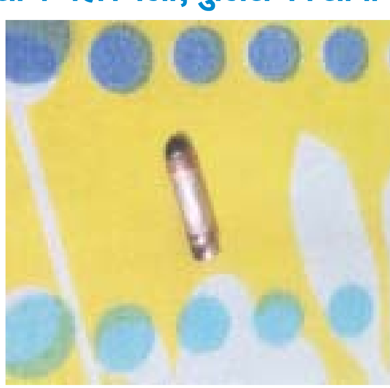

जिंदा कारतूस शहर के थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत देवरा देवनारायण नगर के मकान नंबर 218 निवासी सचिन लोदवाल के घर के बाहर मिला है। लोदवाल ने बताया कि गुरुवार रात 9.45 बजे मोहल्ले में घरों के बाहर बैठी महिलाओं ने बताया कि तुम्हारे घर पर गोली चली है। महिलाओं ने गोली की आवाज सुनना बताते हुए कहा कि जब गोली उठाई तो वह गर्म थी।

दीवार पर कोई निशान नहीं : लोदवाल ने बताया कि मैं जब घर से बाहर निकल कर आया तो देखा की गोली ठंडी हो चुकी थी। दीवार पर कहीं कोई निशान भी नहीं दिखा। इसके बाद औद्योगिक क्षेत्र थाने पर सूचना दी। पुलिस आई और कारतूस ले गई।

जानकारी जुटा रहे - टीआई : थाना प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि जिंदा कारतूस गोल की बजाय चपटी हालात में मिला है। ऐसा लग रहा है कि कारतूस खराब होने पर किसी ने फेका है। गोली चलने की आवाज के बारे में भी जानकारी जुटा रहे है।

ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसान सुगमता से प्राप्त कर सकते हैं उर्वरक

मीडिया ऑडीटर,रायसेन,(निप्र)। जिले में शासन के निर्देशानुसार ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों को उर्वरक प्रदान की जा रही है। ई-टोकन प्रणाली में किसान अपने मोबाइल से आसानी से टोकन जारी कर उर्वरक बुक कर सकते है अथवा एमपी ऑनलाइन केन्द्रों पर निर्धारित शुल्क देकर भी टोकन जारी करा सकते हैं। सिकमी (ठेकेदार/बटाईदार) किसान जो भूमि स्वामी नहीं है वे अपने भू-स्वामी की अनुमति से एग्री स्टेक पोर्टल के माध्यम से अधिकृत प्रतिनिधि किसान बनकर ई-टोकन बुक कर सकते है। वन पट्टाधारी किसान एसडीएम के सत्यापन के उपरांत ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक बुक कर सकते हैं। मृत शारीरिक रूप से अक्षय एवं वृद्ध किसानों हेतु भी ई-विकास प्रणाली पर उर्वरक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। संयुक्त खाताधारी कृषकों जिनमें से एक या अन्य सदस्य किसी अन्य शहर में या देश के बाहर रहते है जिस कारण उनका आधार ओडीसी प्राप्त करना संभव नहीं हो पाता ऐसे किसानों अथवा संयुक्त खाता धारकों में से किसी एक किसान को नामांकित करने के लिए ई-विकास पोर्टल पर सुविधा उपलब्ध है। ई-टोकन जारी करने की प्रक्रिया पंजीयन के लिए किसानों को अपना आधार नम्बर एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा।

1 किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

मंदसौर में मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा, मोटरसाइकिल-मोबाइल जब्त

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर में गुरुवार को पुलिस ने युवक को 1 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अफीम के अलावा एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नई आबादी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध अफीम लेकर नया खेड़ा खेल मैदान क्षेत्र से गुजरने वाला है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई।

2 लाख रुपए की अफीम बरामद : पुलिस ने बरामद 1 किलोग्राम अफीम की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई है। इसके साथ ही तस्करी में उपयोग की जा रही एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। जब्त मोटरसाइकिल की कीमत करीब 40 हजार रुपए और मोबाइल फोन की कीमत लगभग 10 हजार रुपए आंकी गई है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज : पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना नई आबादी में अपराध क्रमांक 91/26 के तहत धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बालकृष्ण उर्फ कान्हा पिता राजेश पंवार (24) निवासी ग्राम रिछा बच्चा, थाना दलौदा, जिला मंदसौर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी से जब्त मोबाइल फोन की तकनीकी और साइबर जांच कराई जा रही है। जांच के दौरान मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त, सप्लाई चेन और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है।

कोर्ट में पेश कर मांगी जाएगी रिमांड :

पुलिस आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। रिमांड के दौरान उससे अफीम की खरीद-फरोख्त, सप्लाई नेटवर्क और उसके अन्य सहयोगियों के संबंध में पूछताछ की जाएगी। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। यह अभियान एसपी विनोद कुमार मीना के निर्देशन में तथा नई आबादी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर के नेतृत्व में संचालित किया गया। पुलिस का कहना है कि जिले में नशे और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सीहोर में प्री-मानसून सक्रिय, जिले में आधा इंच बारिश

भीषण गर्मी से मिली राहत, किसानों को खेत जुताई में मिलेगी मदद

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ली। प्री-मानसून की तेज बारिश से भीषण गर्मी और तीखी धूप से परेशान जिलेवासियों को बड़ी राहत मिली है। भू-अभिलेख से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सीहोर, आष्टा, जावर और इछावर में आधा-आधा इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि बुधनी में 8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

तापमान में बड़ी गिरावट : इस प्री-मानसून बारिश का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव तापमान पर देखने को मिला। पिछले कई दिनों से 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चल रहा अधिकतम तापमान अचानक गिरकर 23 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। तापमान में इस भारी गिरावट के कारण जिले में ठंडी हवाएं चलने लगी हैं, जिससे लोगों को जून की गर्मी से राहत मिली है।

किसानों को भी मिली राहत : इस पहली बारिश से किसानों के चेहरों पर भी खुशी देखी गई है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह बारिश आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों और खेतों की जुताई के लिए सहायक सिद्ध होगी। शहर से लेकर गांवों तक आमजन सुहाने मौसम का आनंद ले रहे हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में प्री-मानसून गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। माना जा रहा है कि यह स्थिति जल्द ही मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त करेगी।

हैदराबाद-जयपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन अब नियमित

इटारसी-भोपाल होकर चलेगी; जानिए ठहराव का शेड्यूल

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने हैदराबाद-जयपुर-हैदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस को नियमित ट्रेन का दर्जा दे दिया है। पहले यह ट्रेन स्पेशल के रूप में संचालित हो रही थी। अब यह 17079/17080 नंबर से चलेगी।

यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल और संत हिरदाराम नगर स्टेशनों से होकर गुजरेगी। रेलवे के अनुसार, 17079 हैदराबाद-जयपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस 24 जुलाई से प्रत्येक शुक्रवार को हैदराबाद से शाम 7:50 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन तीसरे दिन रविवार सुबह 5:25 बजे जयपुर पहुंचेगी।

इसी तरह, 17080 जयपुर-हैदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस 26 जुलाई से प्रत्येक रविवार दोपहर 3:30 बजे जयपुर से चलेगी। यह मंगलवार सुबह 5 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। इस ट्रेन का प्रमुख ठहराव हैदराबाद, सिकंदराबाद, निजामाबाद, नांदेड़, अकोला, खंडवा, इटारसी, भोपाल, संत हिरदाराम नगर, उज्जैन, रतलाम, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, फुलेरा और जयपुर सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रहेगा। रेलवे ने बताया कि इस ट्रेन में कुल 22 एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। इनमें 2 एसी द्वितीय श्रेणी, 7 एसी तृतीय श्रेणी, 7 स्लीपर, 4 सामान्य कोच, 1 एसएलआरडी और 1 जनरेटर कार शामिल होगी। यात्री ट्रेन की समय-सारणी, ठहराव और सीट उपलब्धता की विस्तृत जानकारी एनटीईएस ऐप और भारतीय रेलवे की आधिकारिक पूछताछ प्रणाली से प्राप्त कर सकते हैं।

बुरहानपुर में 1160 किलो अवैध सलई गोंद जब्त: खंडवा की अनुमति पर बुरहानपुर में गोंद भंडारण किया

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर वन विभाग की टीम ने गुरुवार शाम बुरहानपुर जिले के शेखपुरा गांव में बड़ी कार्रवाई की। नावरा वन परिक्षेत्र के तहत आने वाले इस गांव की एक दुकान से 1160 किलोग्राम अवैध सलई गोंद जब्त किया गया। यह गोंद खंडवा जिले में गोदामीकरण की अनुमति के बावजूद बुरहानपुर में संग्रहित किया गया था।

अनुमति के बावजूद नियमों का उल्लंघन माना : वन विभाग के अनुसार, गोंद संग्राहक के पास खंडवा जिले के बोरखेड़ा गांव में गोदामीकरण की अनुमति थी। हालांकि, उसने इस अनुमति का उल्लंघन करते हुए बुरहानपुर जिले के शेखपुरा में गोंद का अवैध रूप से संग्रहण कर रखा था। कार्रवाई से बचने के लिए प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में भी बोरखेड़ा का ही उल्लेख था।

लाइसेंस जहां का था वहां नहीं किया संग्रहण :

रेंजर जादौन ने बताया कि गुलजार पिता अब्दुल कय्यूम निवासी गुड़ीखेड़ा, तहसील पंधाना, जिला खंडवा को जैव विविधता अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत व्यापारिक उद्देश्य से लाइसेंस दिया गया था। यह लाइसेंस ग्राम बोरखेड़ा में गोदामीकरण के लिए था, लेकिन गोंद का संग्रहण बुरहानपुर जिले के शेखपुरा में किया गया, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई।

उच्च न्यायालय का प्रतिबंध आदेश : उच्च न्यायालय जबलपुर ने 11 फरवरी 2026 को एक आदेश जारी कर बुरहानपुर जिले की सीमा के भीतर सलई, धावड़ा, कुल्लू, पलाश और खैर गोंद के निष्कर्षण और संग्रहण पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बावजूद संग्राहक ने प्रतिबंधित क्षेत्र में गोंद का भंडारण किया था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर डीएफओ विद्याभूषण सिंह के निर्देश पर वन परिक्षेत्र नावरा के स्टाफ ने यह कार्रवाई की। टीम में वन परिक्षेत्र अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह जादौन, डिप्टी रेंजर मुकेश गिरी और रेवेन्द्र राठौर, वनरक्षक सावन तायड़े, कोमल विश्वकर्मा, गोविंद मोरे सहित अन्य स्टाफ शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए विदिशा में व्यापक तैयारियां जारी

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के आयोजन को लेकर जिले में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। शासन के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए 11 मई से काउंटडाउन कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत 50वें एवं 25वें दिवस पर भव्य योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिले में योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और अधिकाधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। काउंटडाउन कार्यक्रमों के माध्यम से वर्तमान तिथि तक कुल 7,064 लाभार्थी योगाभ्यास एवं योग संबंधी गतिविधियों से लाभान्वित हो चुके हैं। शासन के निर्देशानुसार प्रतिदिन ऑनलाइन माध्यम से सामूहिक योगाभ्यास कराया जा रहा है। यह कार्यक्रम ZOOM Meeting YouTube प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पंडित खुशीलाल आयुर्वेदिक महाविद्यालय, भोपाल की महत्वपूर्ण भूमिका है। योगाभ्यास कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग एवं निरीक्षण आयुष विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा किया जा रहा है ।

मुम्बई इंडियंस के लिए बेहद महंगे साबित हुए बुमराह

चार करोड़ रुपये से अधिक का पड़ा एक विकेट

मुम्बई एजेंसी। इंडियनप प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी टीम के लिए बेहद महंगे साबित हुए। बुमराह का मुम्बई ने 18 करोड़ रुपये वेतन पर बरकरार रखा था लेकिन वह असफल रहे और केवल 4 विकेट ही ले पाये। इससे मुम्बई का प्रदर्शन भी खराब हुआ और वह नौवें स्थान पर रही। टीम 14 में से केवल 4 मैच ही जीत पाई। बुमराह टीम के मुख्य तेज गेंदबाज थे पर उनके वह पूरे सत्र में लय में नहीं दिखे। ऐसे में बुमराह का एक-एक विकेट टीम को साढ़े चार करोड़ रुपये का पड़ा। बुमराह से जिस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद थी हुआ ठीक उसके विपरीत। वह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और विकेट के लिए तरसते नजर आए। उन्होंने इस सत्र में कुल 13 मैच खेले पर उन्हें सिर्फ चार ही विकेट मिले। शुरुआती कई मैचों में तो उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। बुमराह को इस सीजन के लिए 18 करोड़ रुपये का भुगतान किया था, पर उनका प्रदर्शन उन्हें मिल रहे वेतन के बिलकुल विपरीत रहा। उनके लिए चार विकेटों को देखा जाये तो हर विकेट चार करोड़ रुपये से अधिक का पड़ा। यह शायद आईपीएल इतिहास में किसी प्रमुख खिलाड़ी की टीम को हुआ सबसे अधिक नुकसान है। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में इतने कम विकेट किसी भी सत्र में नहीं लिए, जब उन्होंने 5 या उससे ज्यादा मैच खेले हों। हालांकि, 2014 में अपने शुरुआती करियर में उन्हें 11 मैचों में 5 विकेट मिले थे, लेकिन तब वह एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज थे। आंकड़ों पर ध्याने दें तो बुमराह ने आईपीएल 2026 में 13 मैचों में कुल 294 गेंदें फेंकीं और उन पर 410 रन दिये जबकि उन्हें सिर्फ 4 विकेट मिले। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा और स्ट्राइक रेट 73.50 का। इसका मतलब है कि उन्होंने एक विकेट लेने के लिए औसतन 73 से अधिक गेंदें फेंकीं। पूरे सीजन में वह एक बार भी दो विकेट हॉल हासिल नहीं कर पाये।

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

● उपकप्तानी से हटाये जाने से नाराज नहीं - टेन डोशेट

मोहाली एजेंसी। पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है। इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी। इस टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी थी क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10 वें स्थान पर रही थी।टेस्ट क्रिकेट में हालांकि उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के अंत में इस बल्लेबाज ने कुछ जबरदस्त पारियां खेलीं. इसमें सिडनी में अर्धशतक भी शामिल है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने लीड्स टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाये थे।

अंडर-18 एशिया कप : शूटआउट में हारी भारतीय महिला टीम, चीन ने बनाई फाइनल में जगह

काकामिगाहारा एजेंसी। जापान में चार क्वार्टर तक चले कड़े और जबरदस्त मुकाबले के बाद शुक्रवार को भारतीय महिला टीम को अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में चीन के हाथों शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। चीन की महिलां टीम का फाइनल में मुकाबला जापान और कोरिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा।

भारतीय टीम के लिए नौशीन नाज ने (तीसरे) और किरण एक्का ने (54वें) मिनट में गोल किए, जबकि ली जियान (24वें) और झांग युजेंग (48वें) मिनट में चीन के लिए गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। भारत ने पहले क्वार्टर में शानदार शुरुआत की और तीसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया। कप्तान स्वीटी कुजूर ने मिडफील्ड से सर्कल के अंदर नौशीन ने तीसरे मिनट में एक

बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने ज़ोरदार बैक-हैंड शॉट से नेट में गोल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। दोनों टीमों ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया और सर्कल के अंदर अच्छे मौके बनाए लेकिन शुरुआती क्वार्टर में कोई और गोल नहीं हो सका।

चीन को 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन फेंग जियाक्सिन के ड्रैग-फ्लिक को भारतीय गोलकीपर महक परिहार ने शानदार ढंग से बचाव करते हुए रोक लिया। हालांकि, तीन मिनट बाद, 24वें मिनट में भारत की डिफ़ेंस में हुई एक गलती का फायदा उठाते हुए चीन ने गोल बराबर कर दिया। चीन की ली जेयान ने मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में, चीन को 34वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन भारतीय डिफेंस ने मजबूत दीवार ने उन्हें बढ़त लेने का मौका नहीं दिया। अगले कुछ मिनटों तक चीन का गेंद पर अधिक दबदबा रहा लेकिन वे बराबरी का स्कोर आगे बढ़ाने में नाकाम रहे। 43वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वे चीनी गोल पोस्ट में गोल नहीं कर पाए। दोनों तरफ कई मौके मिलने के बावजूद, जब टीमें चौथे क्वार्टर में पहुंचीं तो मैच 1-1 से बराबरी पर था।

चानू की नजरे अगले माह होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर लगीं

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।

यह साल 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मीराबाई चानू अब पूरी तरह से अपनी चोट से उबरने और ग्लासगो व आइची-नागोया (में होने वाले बड़े मुकाबलों के लिए अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेंगी, ताकि वह एक बार फिर भारत को गौरवान्वित कर सकें।

अश्विन को उमीद, अफगानिस्तान के खिलाफ हर्ष को मिलेगा डेबू का अवसर

चेन्नई एजेंसी। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से मुल्लांपुर में शुरू हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। अश्विन के अनुसार पिछले कुछ समय में हर्ष ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। इसके अलावा अश्विन को उम्मीद है कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने अब तक बल्लेबाजी की है उससे मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन ने कहा, हालांकि मेरी नजरें हर्ष पर टिकी हुई हैं और मैं यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हूँ कि उन्हें इस बड़े प्रारूप में अवसर मिलता है या नहीं। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन को मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच किसी एक को चुनना होगा पर हर्ष ने जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उससे मेरा मानना है कि उसे ही अवसर मिलना चाहिये। अश्विन ने इस स्पिनर के आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को भी एक कारण बताया है।

अश्विन के अनुसार वह हर्ष को भारतीय टेस्ट कैप पहने देखना चाहते हैं। साथ ही कहा ये स्पिनर टीम में जगह का अधिकारी है।

भारतीय टीम के पास कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। ऐसे में, तीसरा स्पिनर कौन होगा, यह चयनकर्ताओं के लिए सबसे कठिन सवाल है। हर्ष और मानव , दोनों ही अपनी-अपनी क्षमताओं के साथ टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं। अश्विन का मानना है कि हर्ष का घरेलू प्रदर्शन और आईपीएल में दिखाया गया आत्मविश्वास उनकी दावेदारी का मजबूत करता है। साथ ही कहा कि केवल एक टेस्ट मैच ही क्यों न हो, किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ी बात है।

अश्विन ने युवा कप्तान शुभमन गिल से भी अपनी उम्मीदें साझा कीं। उन्होंने कहा कि गिल ने हाल ही में इंग्लैंड के दौरे पर एक कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर अपनी क्षमता दिखायी है। अश्विन ने कहा, शुभमन ने इंग्लैंड में भी काफी रन बनाए और वहां के दबाव को बहुत अच्छी तरह से संभाला। यह उनकी मानसिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता को दिखाता है। इसलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि शुभमन इस सीरीज में कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

● तिलक को मिलेगी उपकप्तानी

मुम्बई एजेंसी। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा.

एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाने तैयार है। गौरतलब है कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का खिताब लगातार दूसरी बार जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह रन नहीं बना पाये। उन्होंने नौ मैचों में 242 रन बनाए। फाइनल में वह खाता तक नहीं खोल पाये।

नंबर 3 पर सुदर्शन या पडिक्कल में से किसी एक को आजमाना चाहिये : टेन डोएशे

मुल्लांपुर एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद से टीम तीसरे नंबर पर एक स्थायी बल्लेबाज की तलाश नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस नंबर पर साई सुदर्शन या देवदत्त पडिक्कल में से किसी एक युवा बल्लेबाज को आजमाना चाहिये। साथ ही कहा कि जिसे भी अवसर दे उसे अपने को साबित करने का समय भी दिया जाना चाहिये।

गौरतलब है कि साल 2025 में पुजारा के खेल से संन्यास के बाद से ही भारतीय टीम नंबर तीन पर अच्छे बल्लेबाज की कमी का अनुभव कर रही है। पुजारा ने भारत के लिए अपना अंतिम टेस्ट मैच 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खेला था। उनके जाने के बाद से ही तीसरे नंबर पर शुभमन गिल, सुदर्शन, करुण नायर और वाशिंगटन सुंदर जैसे कई खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। साई सुदर्शन ने भी इस छह टेस्ट मैच खेले हैं पर 27 से कुछ अधिक के औसत के साथ वह अब तक अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

डोएशे ने कहा, नंबर 3 पर कई बल्लेबाजों को आजमाना आदर्श स्थिति नहीं है। हमें उस स्थान के दावेदारों पर विचार करना चाहिए और किसी एक को लंबे समय तक उस पर बनाए रखना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि तीसरे नंबर का स्थान बल्लेबाजी क्रम में बेहद कठिन पर महत्वपूर्ण है।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयनं तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई एजेंसी। 15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार

शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, ÷वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं।÷

वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

सुशासन तिहार 2026 पाली के ग्राम पंचायत मुड़ापार में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आमजनो की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिला कोरबा के पाली ब्लॉक के ग्राम पंचायत मुड़ापार में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जिला पंचायत निकिता मुकेश जायसवाल, जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा शोभा जगत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को स्टॉल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी एवं विभागीय योजनाओं से लाभ प्रदान किया गया। जिसमें जनपद पंचायत पाली अंतर्गत एक हितग्राहियों को राशन कार्ड, एक हितग्राही को पेंशन स्वीकृति आदेश, 03 दिव्यांग हितग्राही को श्रवण यंत्र एवं 01 हितग्राही को वाकिंग स्टीक प्रदान किया गया। साथ ही नन्हें शिशुओं को अन्नप्राशन भी कराया गया।शिविर में विभिन्न विभाग अंतर्गत मांग व शिकायत से सम्बंधित कुल 1065 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 238 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शेष आवेंदनो का परीक्षण कर शीघ्रता से निराकरण किया जाएगा। इस शिविर में क्लस्टर अंतर्गत शामिल सभी ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।शिविर को संबोधित करते हुए विधायक प्रेमचंद ने कहा कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी शिविरों में उपस्थित होकर अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारी देते हैं, जिससे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन स्तर में सुधार करें।

नैनो उर्वरकों के प्रयोग से ग्राम उतई की महिला किसान अंजनी ने गेंहू की फसल में हासिल किया बंपर उत्पादन, लागत घटने से बढ़ी आमदनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि के क्षेत्र में आधुनिक और वैज्ञानिक तौर-तरीकों को अपनाकर महिलाएं अब न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा दे रही हैं। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के विकासखंड पाटन के ग्राम उतई की एक महिला कृषक अंजनी ने नैनो टेक्नोलॉजी (उर्वरक) का सफल प्रयोग कर पारंपरिक खेती की पूरी तस्वीर बदल दी है। उन्होंने चालू रबी सीजन में अपने 40 डिसमिल रकबे में बोई गई गेंहू की फसल में रासायनिक खादों के अंधाधुंध उपयोग को बंद करते हुए, पूरी तरह से कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया के छिड़काव को प्राथमिकता दी। इस आधुनिक तकनीकी बदलाव का सुखद परिणाम यह रहा कि उन्हें इस बार गेंहू की गुणवत्तापूर्ण और रिकॉर्ड पैदावार हासिल हुई, साथ ही खेती की इनपुट कॉस्ट (लागत) में भी भारी गिरावट आई। महिला किसान अंजनी ने अपने इस सफल जमीनी अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पूर्व के वर्षों में उन्हें गेंहू की बुवाई से लेकर बालियां आने तक पारंपरिक बोरी वाले खादों पर बहुत ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता था। कई बार ऐन वक्त पर बाजार या सोसायटियों में रासायनिक खादों की किल्लत होने से फसल का सही चक्र प्रभावित हो जाता था, जिससे फसलों की ग्रोथ रुक जाती थी और जेब पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता था। इस बार उन्होंने इस समस्या से निपटने के लिए जिला कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों से संपर्क किया। कृषि विशेषज्ञों की सलाह और तकनीकी मार्गदर्शन में उन्होंने गेंहू की फसल में पारंपरिक यूरिया व डीएपी की जगह नैनो उर्वरकों के लिक्विड (तरल) फॉर्मूलेशन का इस्तेमाल किया। यह लिक्विड खाद पौधों द्वारा बेहद कम मात्रा में भी आसानी से सोख ली जाती है, जिससे पौधों को हर स्तर पर भरपूर पोषण मिला और फसलों की हरियाली तथा बालियों का आकार पिछले सालों के मुकाबले कहीं बेहतर रहा। अंजनी के मुताबिक, नैनो उर्वरकों का सबसे बड़ा फायदा इसकी सुलभता और कम कीमत के रूप में सामने आया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि कम खर्च में अधिक और स्वस्थ उत्पादन मिलने से शुद्ध मुनाफे में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसने उनकी पारिवारिक और आर्थिक स्थिति को पहले से ज्यादा मजबूत किया है।

नैनो यूरिया-डीएपी से लागत घटाकर बेहतर उत्पादन ले रहे किसान बेलचंद मेरिया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले में किसान अब परंपरागत कृषि पद्धतियों के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बना रहे हैं। इसी कड़ी में ग्राम आलकान्हार के प्रगतिशील किसान बेलचंद मेरिया नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग से खेती में सकारात्मक बदलाव लाने वाले किसानों में शामिल हैं। पिछले दो वर्षों से वे अपनी 6 एकड़ कृषि भूमि में इन उन्नत उर्वरकों का उपयोग कर बेहतर उत्पादन के साथ खेती की लागत में भी कमी ला रहे हैं।

मेरिया बताते हैं कि पहले खेती में पारंपरिक उर्वरकों पर अधिक खर्च करना पड़ता था, वहीं अब नैनो उर्वरकों के उपयोग से कम मात्रा में अधिक प्रभावी परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। उनका कहना है कि नैनो यूरिया फसलों को आवश्यक पोषक तत्व सीधे उपलब्ध कराता है, जिससे पौधों की वृद्धि बेहतर होती है और उत्पादन की गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग करना भी काफी आसान है। स्प्रे के माध्यम से इसका छिड़काव किया जाता है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है। साथ ही इसकी छोटी बोतल को खेत तक ले जाना और सुरक्षित रखना भी सुविधाजनक है। इससे परिवहन और भंडारण की समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई है।

बेलचंद मेरिया केवल धान और गेहूं जैसी मुख्य फसलों में ही नहीं, बल्कि बाड़ी में उगाई जाने वाली सब्जियों, फलदार पौधों और फूलों में भी नैनो उर्वरकों का उपयोग कर रहे हैं। उनका अनुभव है कि इन उर्वरकों के प्रयोग से फसलों की बढ़वार बेहतर होती है और मिट्टी की गुणवत्ता भी सुरक्षित बनी रहती है। वे बताते हैं कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने से खेती अब पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक और लाभदायक हो गई है। खेती में मिल रहे अच्छे परिणामों से उत्साहित होकर उन्होंने क्षेत्र के अन्य किसानों से भी नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग की अपील की है। मेरिया का कहना है कि यदि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों और उन्नत उर्वरकों को अपनाएं, तो कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

बैगा अंचल की संस्कृति से प्रभावित हुई नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर टीम, छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन को बताया अद्भुत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण जीवनशैली अब अंतरराष्ट्रीय पर्यटन जगत का ध्यान आकर्षित कर रही है। विश्वप्रसिद्ध यात्रा और संस्कृति आधारित नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर की टीम ने जिले के बैगा बाहुल्य क्षेत्रों का भ्रमण कर यहां की अनूठी सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं का गहन अध्ययन किया।

बैगा अंचल की संस्कृति से प्रभावित हुई नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर टीम: नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर की राइटर एंजेला लोकाटेली तथा फोटोग्राफर हाजरा अहमद अंसारी ने गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत लमना स्थित विलेज वे-स्टे में प्रवास के दौरान ग्रामीण परिवेश को नजदीक से देखा और स्थानीय समुदायों के साथ संवाद स्थापित किया। उनका यह दौरा जिले की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैगा संस्कृति और परंपराओं ने जीता विदेशी मेहमानों का दिल: अपने भ्रमण के दौरान नेशनल जियोग्राफी टीम ने ग्राम लमना, बस्तीबगरा और आमगांव का दौरा किया। यहां उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय की पारंपरिक जीवनशैली, सामाजिक व्यवस्था, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक परंपराओं को करीब से जाना। बैगा समुदाय की प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली, लोक ज्ञान, पारंपरिक कृषि पद्धतियां और सांस्कृतिक विरासत ने टीम को विशेष रूप से प्रभावित किया। ग्रामीणों के दैनिक जीवन, पारंपरिक आवास, खान-पान और सामाजिक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए उन्होंने इस क्षेत्र को भारत की जीवंत सांस्कृतिक धरोहरों में से एक बताया।

देशी आमों के स्वाद और ग्रामीण आतिथ्य से हुए प्रभावित: नेशनल जियोग्राफी टीम ने जिले में पाए जाने वाले देशी प्रजाति के आमों का स्वाद भी लिया और उनकी विशिष्टताओं की जानकारी प्राप्त की। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अपनाई गई पारंपरिक कृषि पद्धतियों तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रयासों ने भी उनका ध्यान आकर्षित किया। ग्रामीण परिवेश में मिलने वाले आत्मीय आतिथ्य और स्थानीय समुदाय की सादगी ने इस यात्रा को और अधिक यादगार बना दिया।

गौरा-गौरी नृत्य ने दिखाई छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा: भ्रमण के दौरान नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर की टीम ने जिले के कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्हें जिले की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े प्रसिद्ध गौरा-गौरी नृत्य का प्रदर्शन भी देखने का अवसर मिला। लोकनृत्य की जीवंत प्रस्तुति, पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों की मधुर ध्वनि ने अतिथियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति से रूबरू कराया। टीम ने इस सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण भारत की जीवंत सांस्कृतिक पहचान बताया।

ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को मिला वैश्विक मंच: विलेज वे-स्टे की ओर से श्रीमती मनीषा पांडे और संजय पयासी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा उन्हें ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और समुदाय आधारित पर्यटन मॉडल की विस्तृत जानकारी दी। नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर जैसी प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्था की टीम का यह दौरा जिले के ग्रामीण पर्यटन को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक प्रचार मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

जनजातीय विरासत और ग्रामीण पर्यटन का नया केंद्र बन रहा जीपीएम: गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति, जैव विविधता और पारंपरिक ग्रामीण जीवन के कारण तेजी से एक विशिष्ट पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर रहा है। बैगा समुदाय की सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय लोककलाएं, प्राकृतिक परिवेश और सामुदायिक पर्यटन मॉडल इस क्षेत्र को देश के अन्य पर्यटन स्थलों से अलग पहचान प्रदान करते हैं। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्र अब वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इससे न केवल सांस्कृतिक धरोहरों को नई पहचान मिलेगी, बल्कि स्थानीय समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को भी नई गति प्राप्त होगी।

औषधीय पौधों की खेती से किसानों के लिए खुल रहे समृद्धि के नए द्वार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड (वन विभाग) द्वारा धमतरी जिले के ग्राम राउतमुड़ा में सजीव वच विदोहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धमतरी तथा आदिवासी अंचल नारायणपुर (अबूझमाड़) के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने किसानों से औषधीय पौधों की खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि औषधीय फसलों की खेती किसानों के लिए समृद्धि का नया मार्ग बन सकती है। शासन और बोर्ड की योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने कहा कि औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड किसानों को हर संभव तकनीकी और मार्गदर्शी सहयोग प्रदान करेगा।

बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि पैडी डायवर्सन मॉडल के अंतर्गत किसानों को धान की पारंपरिक खेती के स्थान पर लाभकारी औषधीय फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 'वच' की खेती किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प है, जिसमें लगभग 20 हजार रुपये की लागत आती है और एक एकड़ में एक वर्ष के भीतर लगभग एक लाख रुपये तक की शुद्ध आय अर्जित की जा सकती है।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को वच की फसल की कटाई एवं प्रसंस्करण की पूरी प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि वच की जड़ों की खुदाई, सफाई, कटाई और सुखाने की वैज्ञानिक विधि अपनाकर बेहतर गुणवत्ता का उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। तैयार उत्पाद को बाजार में विक्रय कर किसान अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

कार्यक्रम के बाद बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम और उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने धमतरी जिले के ग्राम पोतियाडीह में मां गायत्री स्व-सहायता समूह द्वारा दो एकड़ क्षेत्र में की जा रही खस की खेती का निरीक्षण किया।

समूह की महिलाओं ने बताया कि आगामी सप्ताह में खस की जड़ों की कटाई की जाएगी, जिससे लगभग एक लाख रूपए की आय होने की संभावना है। अधिकारियों ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

बस्तर के किसान दिनेश को भाया नैनो यूरिया और नैनो डीएपी बेहतर उत्पादन के लिए किसानों को मिला विकल्प

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक नवाचारों ने कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदलनी शुरू कर दी है, जिसका एक जीता-जागता उदाहरण बस्तर क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। यहाँ पारंपरिक बोरी वाले उर्वरक को छोड़कर किसान अब नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसी आधुनिक तकनीक को अपना रहे हैं। क्षेत्र के प्रगतिशील किसान दिनेश पाणीग्राही का अनुभव इस बात को दर्शाता है कि नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी न सिर्फ फसलों का उत्पादन बढ़ा रहा है, बल्कि किसानों की जेब और मेहनत दोनों को बचा रहा है और एक बेहतर विकल्प बन गया है। दिनेश पाणीग्राही ने नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग से जुड़े अपने बेहतरीन अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वह पिछले दो-तीन वर्षों से इस उत्पाद का उपयोग कर रहे हैं। पहले जहाँ एक एकड़ में डेढ़ से एक बोरी यूरिया और दो बोरी दानेदार डीएपी की खपत होती थी, वहीं अब उसकी जगह एक छोटी सी बोतल नैनो यूरिया तथा एक बोतल नैनो डीएपी ने ले लिया है। दिनेश का कहना है कि पहले भारी-भरकम खाद की बोरियों को समिति से घर और घर से खेत तक ले जाना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन अब यह काम इतना आसान हो गया है कि पूरी खाद एक छोटे से झोले में आ जाती है। दिनेश के पास कुल 5 एकड़ जमीन है, जिसमें से लगभग 4 एकड़ पर वह नियमित खेती करते हैं। उन्होंने इसका सफल और फायदेमंद प्रयोग मक्का और धान की फसलों पर किया है। उनके अनुसार पारंपरिक दानेदार उर्वरक के मुकाबले पिछले दो-तीन साल में फसलों के उत्पादन में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है।

सेवानिवृत्ति के बाद आधुनिक खेती में बनाई नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ शासन किसानों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कृषि को अधिक लाभकारी एवं आधुनिक बनाने के उद्देश्य से किसानों को समय पर खाद-बीज, उन्नत कृषि आदान तथा नवीन तकनीकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। शासन की इस किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं के प्रभाव से कोरबा जिले के किसान आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ खेती की लागत कम करने में भी सफल हो रहे हैं।जिला कोरबा के ग्राम छुरीकला निवासी भागबली देवांगन एक मेहनती और प्रगतिशील किसान हैं, जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद भी सक्रिय जीवन को अपनाते हुए खेती को अपनी प्राथमिकता बनाया है। उनका मानना है कि किसान कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, बल्कि अपने अनुभव और परिश्रम से खेती को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करता है। इसी सोच के साथ वे आज भी पूरी लगन और समर्पण के साथ कृषि कार्यों में जुटे हुए हैं। देवांगन लगभग साढ़े तीन एकड़ कृषि भूमि में मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। वर्षों से खेती से जुड़े होने के कारण वे समय के साथ कृषि में आ रहे बदलावों को अपनाने के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने बताया कि खेती में अच्छे उत्पादन के लिए केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि सही समय पर सही तकनीक और उर्वरकों का उपयोग भी आवश्यक है। इसी सोच के तहत पिछले दो वर्षों से वे अपनी फसलों में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। उनके अनुसार नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसल की बढ़वार बेहतर हुई है तथा पौधों का विकास अधिक संतुलित रूप से हुआ है। इसके साथ ही उत्पादन में भी सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि पहले जहां पारंपरिक उर्वरकों पर अधिक खर्च करना पड़ता था, वहीं नैनो उर्वरकों के उपयोग से लागत में कमी आई है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनी है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों को समय पर खाद-बीज एवं कृषि आदान उपलब्ध कराए जाने से खेती की तैयारियां आसान हुई हैं।

नैनो उर्वरक का उपयोग कर किसान महमुद हसन कर रहे हैं बेहतर उत्पादन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नैनो उर्वरक का उपयोग कर बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्र्राम फिरतुटोला के किसान श्री महमुद हसन अंसारी अब अपनी खेती को बेहतर उत्पादन एवं मुनाफेदार बना रहे हैं। वे नैनो उर्वरक का वैज्ञानिक पद्धति से उपयोग कर अपने फसल उत्पादन में वृद्धि कर रहे है। किसान श्री महमुद हसन ने बताया कि वे लगभग 07 एकड़ भूमि पर कृषि कार्य करते हैं। वे खरीफ सीजन में धान की फसल तथा रबी सीजन में मुख्य रूप से चना और गेहूं की खेती करते हैं। इसके लिए वे प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति रेंगाडबरी से उन्नत बीज और खाद प्राप्त करते हैं। महमुद ने बताया कि इस वर्ष भी उन्होंने समय पर सहकारी समिति से पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज का उठाव कर लिया है। नैनो उर्वरक के उपयोग के संबंध में अपने अनुभव साझा करते हुए महमुद हसन ने कहा कि उसने कृषि विभाग के अधिकारियों के तकनीकी मार्गदर्शन में अपने खेतों में नैनो उर्वरक का छिड़काव किया है। इसका परिणाम बेहद ही प्रभावी रहा है। नैनो खाद के उपयोग से न केवल धान, चना, गेहूं की फसल की गुणवत्ता सुधरी है तथा बल्कि प्रति एकड़ उत्पादन में भी बेहतरीन वृद्धि हुई है। उन्होंने जिले के अन्य किसानों से भी अपील की है कि वे पारंपरिक खादों पर निर्भरता कम कर नैनो उर्वरक को अपनाएं, जिससे कम लागत में बेहतर और पौष्टिक फसल का उत्पादन किया जा सके।

सुशासन तिहार कोदवामहंत में समाधान शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार लोगों के लिए भरोसे और राहत का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा स्थानीय विधायक अरुण साव आज लोरमी विकासखण्ड के ग्राम कोदवामहंत में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने वहां विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर लोगों को योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में बच्चों को अन्नप्राशन एवं गोदभराई कराते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उप मुख्यमंत्री साव ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन तिहार केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का अभियान है। छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनकल्याण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। आज प्रदेश में विकास की गति चारों ओर दिखाई दे रही है। गांव-गांव में सड़क, पुल-पुलिया, आवास और मूलभूत सुविधाओं के निर्माण कार्य तेजी से संचालित हैं। हमारी सरकार अपनी सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। साव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत लगभग 67 करोड़ रुपये के सड़क, पुल एवं पुलिया निर्माण के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम कोदवामहंत में 61 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा सीसी रोड एवं पुलिया निर्माण के लिए भी राशि स्वीकृत की गई है, जिससे ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। शासन-प्रशासन जनहित की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। साव ने इस दौरान कोदवामहंत में विद्युत सब-स्टेशन की घोषणा की। उन्होंने बिठलदह में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के लिए 5 लाख रूपए, ग्राम ढोलगी में पंचायत भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए और ग्राम झझपुरीकला में उप स्वास्थ्य केन्द्र के लिए 28.51 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की। जनपद पंचायत लोरमी की अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह और जिला पंचायत की सदस्य अनीता कोमल साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। शिविर में दिव्यांगो को मोटराइज्ड ट्रायसायकल, 10 किसानों को केसीसी चेक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत 20 महिलाओं को चेक, 2 मछली पालकों को मत्स्य जाल, 40 हितग्राहियों को पीएम आवास की चाबी, 10 को फलदार पौधे, 5 लोगों को आयुष्मान व वय वंदन कार्ड, 93 को स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय स्वीकृति प्रमाण पत्र, 40 को राशन कार्ड, 5 को मनरेगा जॉब कार्ड, 3 को नोनी सुरक्षा का बॉन्ड पेपर, 3 को विद्यारंभ प्रमाण पत्र, 3 महिलाओं को सुपोषण टोकरी, 10 किसानों को अरहर मिनी किट, 20 श्रमिकों को श्रमकार्ड तथा 10 टीमों को क्रिकेट किट और अन्य खेल सामाग्री प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा